पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी)

(2021-22 से प्रभावी)

नयी शिक्षा नीति और अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या

एम.ए. (हिंदी)

हिंदी विभाग

मानविकी एवं समाज विज्ञान पीठ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

(2021-22 से प्रभावी)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1	पृष्ठभूमि	3
2	कार्यक्रम के परिणाम	5
3	कार्यक्रम के विशेष परिणाम	6
4	स्नातकोत्तर की महत्ता/विशेषता	7
5	पाठ्यक्रम-संरचना	8
6	अधिगम परिणाम सूचकांक	12
7	पाठ्यक्रम-स्तरीय अधिगम निष्कर्ष	13
8	सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम और क्रेडिट निर्धारण	18
9	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	80
10	मिश्रित अधिगम	81
11	आकलन एवं मूल्यांकन	83
12	प्रमुख बिंदु एवं शब्द	84
13	संदर्भ	86
14	अनुलग्नक	87

पृष्ठभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों ने नयी शिक्षा नीति-2020 एवं उच्च शिक्षण संस्थान हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग गुणवत्ता जनादेश-2021 की तारतम्यता में, वांछित अधिगम परिणामों हेतु पाठ्यक्रम सुधार को आवश्यक मानते हुए, स्नातक और स्नातकोत्तर के समस्त पाठ्यक्रमों को अथक प्रयास के द्वारा संशोधित किया है। पाठ्यक्रम संशोधन की प्रक्रिया 23 अप्रैल, 2021 को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद् की 32वीं बैठक में ग्रहित 'नयी शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु व्यापक दिशा-निर्देश' से अनुप्रेरित है। इस दिशा-निर्देश ने नीति की प्रमुख विशेषताओं की पहचान की और प्रमुख शैक्षणिक सुधारों के लिए अच्छी तरह से परिभाषित जिम्मेदारियों एवं सांकेतिक समय-रेखा के साथ कार्य-योजना को स्पष्ट किया। इस नीति की प्रमुख विशेषताओं के बारे में शिक्षकों को उन्मुख करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार और चर्चाओं की शृंखला के साथ पाठ्यक्रम में सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई, जिससे वे नीति के साथ पाठ्यक्रम को संशोधित करने में सक्षम हो सकें। नयी शिक्षा नीति-2020 की दूरदर्शिता और प्रावधानों के बारे में शिक्षकों के उचित उन्मुखीकरण ने उनके लिए नीति के महत्वपूर्ण पहलुओं की महत्ता को समझने व उन्हें संशोधित पाठ्यक्रम में शामिल करना आसान बना दिया है, जो कि 'एक प्रबुद्ध, सामाजिक रूप से जागरूक, ज्ञानवान और कौशल-संपन्न राष्ट्र के विकास' के लिए '21वीं सदी के कौशलों की कुंजी के साथ सम्पूर्ण, विचारशील, रचनात्मक और अच्छी तरह से सुसज्जित व्यक्तियों के निर्माण' पर केंद्रित है।

नयी शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में संशोधित पाठ्यक्रम अग्रलिखित बिन्दुओं पर बल दते हुए इस नीति की आत्मा को प्रस्तुत करता है- अधिगम का समेकित दृष्टिकोण; नवीन शिक्षण प्रविधि और आकलन-पद्धति; बहु-विषयी और अंतर-अनुशासनिक शिक्षा; रचनात्मक और आलोचनात्मक चिंतन; मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम के माध्यम से नैतिक एवं संवैधानिक मूल्य; पेशेवर कौशल, उद्यमिता और जीवन कौशल के माध्यम से अनुशासनों से निर्बंध 21वीं सदी की क्षमताएँ; सामुदायिक और रचनात्मक जनसहयोग; सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय जागरूकता; जैविक रहवास और वैश्विक नागरिकबोध की शिक्षा; परिपूर्ण, जिज्ञासामूलक, अन्वेषणमूलक, विमर्शमूलक और विश्लेषणमूलक अधिगम; 'भारत-ज्ञान' संबंधी प्रासंगिक कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय ज्ञान-पद्धति, सांस्कृतिक परम्पराओं और शास्त्रीय साहित्य की पड़ताल; अधिगम के भारतीय एवं परम्परागत विधियों के साथ आधुनिक शिक्षण पद्धति का समुचित मिश्रण; पाठ्यक्रम चयन की स्वतंत्रता; विद्यार्थी केंद्रित भागीदारीमूलक अधिगम; अध्ययन हेतु अनुशासनों के रचनात्मक संयोजन को प्रभावी करने के लिए कल्पनाशील और लचीली पाठ्यचर्या संरचना; प्रथमत: स्नातक कार्यक्रमों में बहुविकल्पीय प्रवेश एवं निकास का प्रस्ताव; अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा बनाए गए व्यवसायों के अंतरराष्ट्रीय मानक वर्गीकरण के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का सरेखण; अनुशासनों को निर्बंध करना; पाठ्यचर्या और पाठ्येतर पहलुओं का समवाय; स्थानीय उद्योग, व्यवसायों, कलाकारों और शिल्पकारों के साथ प्रशिक्षण के अवसर; तकनीकी, व्यावसायिक और विज्ञान कार्यक्रमों के लिए उद्योग और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच घनिष्ठ सहयोग और प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए निर्दिष्ट सीखने के परिणामों, क्षमताओं व स्वभाव के साथ गठबंधन करने के लिए रचनात्मक मूल्यांकन उपकरण, अभियांत्रिकी और व्यावसायिक अध्ययन में स्नातक कार्यक्रमों के मामले में, यह निर्णय लिया गया था कि विभाग एआईसीटीई, एनबीए, एनएसक्यूएफ, व्यवसायों के अंतरराष्ट्रीय मानक वर्गीकरण, सेक्टर कौशल परिषद और अन्य संबंधित एजेंसियों/स्रोतों का अनुपालन करते हुए प्रासंगिक नयी शिक्षा नीति की संस्तुतियों को शामिल करेंगे। विश्वविद्यालय ने प्रत्येक कार्यक्रम हेतु पाठ्य-

सामग्री का 40% ऑनलाइन एवं 60% प्रत्यक्ष शिक्षण द्वारा संचालित करने पर सहमति बनायी। विभिन्न कार्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम को शिक्षकों, विभागाध्यक्षों और पीठ के अधिष्ठाता के सामूहिक प्रयास से तैयार किया गया है। प्रत्येक विभाग द्वारा विभाग, पीठ एवं विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित शृंखलाबद्ध विचार-सत्रों में गहन विचार-विमर्श से पाठ्यक्रम-प्रारूप निर्मित किया गया है। संशोधित पाठ्यक्रम के लिए एक समान रूप और संरचना विकसित करने की पूरी कवायद के पीछे विश्वविद्यालय का नेतृत्व एक प्रेरक शक्ति रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने पाठ्यक्रम के विविध आयामों एवं दृष्टिकोणों के अनुरूप एकीकृत ढाँचे हेतु पृष्ठभूमि, कार्यक्रम निष्कर्ष, कार्यक्रम विशेष के निष्कर्ष, स्नातकोत्तर की महत्ता, निष्णात पाठ्यक्रम की संरचना, अधिगम निष्कर्ष सूचकांक, सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम और क्रेडिट वितरण, पाठ्यक्रम आधारित अधिगम निष्कर्ष, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, मिश्रित अधिगम, आकलन एवं मूल्यांकन, प्रमुख बिंदु, संदर्भ एवं अनुलग्नक जैसे बिंदुओं पर विभागाध्यक्षों और अधिष्ठाताओं के साथ शृंखलाबद्ध बैठकें की। विभिन्न अध्ययन मंडल एवं पीठ मंडल के विशेषज्ञों ने प्रत्येक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप प्रदन करने में अपनी महती भूमिका अदा की।

नयी शिक्षा नीति-2020 में परिकल्पित पाठ्यचर्या सुधारों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रावधानों को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है। अत: पाठ्यक्रम की वार्षिक समीक्षा की जा सकेगी।

कार्यक्रम के परिणाम

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम की पूर्णता के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित परिणामों से लाभान्वित होगा :

PO-1.	जीवन के नानाविध स्तरों की समझ का पूर्णता में निदर्शन।
PO-2.	जीवन की यथार्थ स्थितियों में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं साहित्यिक धाराओं का अनुप्रयोग तथा विमर्श।
PO-3.	बहुविषयी दृष्टिकोण के द्वारा समसामयिक सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संदर्भों का विमर्श एवं समझ।
PO-4.	जीवन की वस्तुगत स्थितियों में प्रासंगिक, सैद्धांतिक अवधारणाओं के अनुप्रयोग का निदर्शन।
PO-5.	मानविकी एवं समाज विज्ञान में उच्चानुशीलित-अत्याधुनिक ज्ञान में परंपरागत ज्ञान के समावेशन की दक्षता।
PO-6.	ज्ञान के अंत:विषयी और अंतरविषयी समझ के आधार पर उपयुक्त प्रस्तावों का सूत्रीकरण।
PO-7.	स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य की समझ एवं विश्लेषण।
PO-8.	सामाजिक परिप्रेक्ष्य में जीवन की वस्तुस्थितियों का विश्लेषण एवं विवेचन की दक्षता का निदर्शन।
PO-9.	मनुष्य के समक्ष उपस्थित समस्याओं के बहुश्रुत एवं दक्ष व्यक्तित्व के रूप में समाधान प्रस्तुत करना।

कार्यक्रम के विशेष परिणाम

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम की पूर्णता के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित परिणामों से लाभान्वित होगा :

PSO-1.	हिंदी साहित्य के विभिन्न रूपों में आलोचनात्मक समझ का प्रदर्शन।
PSO-2.	विभिन्न साहित्यिक विधाओं, शब्दों और आंदोलनों की स्पष्टता के साथ चर्चा।
PSO-3.	रचनात्मक और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, सौंदर्यबोध और विश्लेषणात्मक कौशल विकास।
PSO-4.	वाचन एवं लेखन में हिंदी भाषा में दक्षता एवं सुसंगतता का प्रदर्शन।
PSO-5.	विभिन्न संदर्भों और युगों में निर्मित साहित्य में साहित्यिक प्रवृत्तियों की तुलना।
PSO-6.	उपयुक्त सैद्धांतिक स्वरूप के साथ साहित्यिक ग्रंथों की जानकारी एवं उनके विश्लेषण का ज्ञान।
PSO-7.	विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के आलोक में क्षेत्रीय और विश्व साहित्य का बोध।
PSO-8.	साहित्यिक दृष्टिकोण से जीवन की वास्तविकताओं की व्याख्या करने की क्षमता का निदर्शन।
PSO-9.	साहित्य में शोध हेतु दक्षता और कौशल का उन्नयन।

स्नातकोत्तर की महत्ता/विशेषता

- अंत:अनुशासनिक और अंतर-अनुशासनिक ज्ञान
- रचनात्मक एवं आलोचनात्मक कौशल का विकास
- बहुआयामी चिंतन
- समस्या निवारण
- तर्क पद्धति का विकास
- संप्रेषण कौशल
- अनुसंधान कौशल
- जीवन एवं नैतिक मूल्य
- भारतीय एवं वैश्विक ज्ञान एवं संस्कृतिबोध
- व्यावसायिक कौशल
- सतत अधिगम के उपक्रम

पाठ्यक्रम संरचना

Core Course (CC)

(Exclusive for Hindi students)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 1 01 C 4105	आधुनिक हिंदी कविता-I	4	1	0	5
2.	SHSS HND 1 1 02 C 4105	हिंदी कथा साहित्य –I	4	1	0	5
3.	SHSS HND 1 1 03 C 4105	आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	1	0	5
4.	SHSS HND 1 1 04 C 4105	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	1	0	5
5.	SHSS HND 1 2 05 C 4105	आधुनिक हिंदी कविता-II	4	1	0	5
6.	SHSS HND 1 2 06 C 4105	हिंदी कथा साहित्य-II	4	1	0	5
7.	SHSS HND 1 2 07 C 4105	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	4	1	0	5
8.	SHSS HND 1 2 08 C 4105	आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	4	1	0	5
9.	SHSS HND 1 3 09 C 4105	भक्तिकाव्य	4	1	0	5
10.	SHSS HND 1 3 10 C 4105	भारतीय काव्यशास्त्र	4	1	0	5
11.	SHSS HND 1 3 11 C 4105	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4	1	0	5
12.	SHSS HND 1 4 12 C 4105	हिंदी आलोचना	4	1	0	5
13.	SHSS HND 1 4 13 C 4105	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	0	5

Discipline Centric Elective Courses (DCEC)

(offered to the students of Hindi department)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 2 01 DCEC 0202	पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा (अनिवार्य)	0	2	0	2
2.	SHSS HND 1 2 02 DCEC 3104	हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार	3	1	0	4
3.	SHSS HND 1 2 03 DCEC 3104	आधुनिक भारतीय साहित्य	3	1	0	4
4.	SHSS HND 1 2 04 DCEC 3104	लोक साहित्य	3	1	0	4
5.	SHSS HND 1 2 05 DCEC 3104	समकालीन हिंदी कविता	3	1	0	4
6.	SHSS HND 1 2 06 DCEC 3104	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	3	1	0	4
7.	SHSS HND 1 2 07 DCEC 3104	कथेतर गद्य विधाएँ	3	1	0	4
8.	SHSS HND 1 2 08 DCEC 3104	प्रवासी साहित्य	3	1	0	4
9.	SHSS HND 1 3 09 DCEC 3104	कबीरदास	3	1	0	4
10.	SHSS HND 1 3 10 DCEC 3104	मलिक मुहम्मद जायसी	3	1	0	4
11.	SHSS HND 1 3 11 DCEC 3104	तुलसीदास	3	1	0	4
12.	SHSS HND 1 3 12 DCEC 3104	सूरदास	3	1	0	4
13.	SHSS HND 1 3 13 DCEC 3104	मीरां	3	1	0	4
14.	SHSS HND 1 3 14 DCEC 3104	बिहारीदास	3	1	0	4
15.	SHSS HND 1 3 15 DCEC 3104	घनानंद	3	1	0	4
16.	SHSS HND 1 3 16 DCEC 3104	भारतेंदु हरिश्चंद्र	3	1	0	4
17.	SHSS HND 1 3 17 DCEC 3104	बालमुकुंद गुप्त	3	1	0	4
18.	SHSS HND 1 3 18 DCEC 3104	प्रेमचंद	3	1	0	4
19.	SHSS HND 1 3 19 DCEC 3104	रामचंद्र शुक्ल	3	1	0	4

20.	SHSS HND 1 3 20 DCEC 3104	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	3	1	0	4
21.	SHSS HND 1 3 21 DCEC 3104	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	3	1	0	4
22.	SHSS HND 1 3 22 DCEC 2114	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (अनिवार्य)	2	1	1	4

Generic Elective Course (GEC)
(Offered to other departments)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 1 01 GE 3104	हिंदी भाषा एवं व्याकरण	3	1	0	4
2.	SHSS HND 1 1 02 GE 3104	हरियाणा का साहित्य	3	1	0	4
3.	SHSS HND 1 1 03 GE 3104	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग	3	1	0	4
4.	SHSS HND 1 1 04 GE 3104	सृजनात्मक लेखन	3	1	0	4
5.	SHSS HND 1 3 05 GE 3104	सिनेमा अध्ययन	3	1	0	4
6.	SHSS HND 1 3 06 GE 3104	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	1	0	4
7.	SHSS HND 1 3 07 GE 3104	साहित्य का अंतर-अनुशासनिक अध्ययन	3	1	0	4
8.	SHSS HND 1 3 08 GE 3104	अस्मितामूलक साहित्य	3	1	0	4
9.	SHSS HND 1 3 09 GE 3104	साहित्य का समाजशास्त्र	3	1	0	4

Skill Enhancement Elective Course (Compulsory and exclusively for Hindi students)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 4 01 SEEC 014014	लघु शोध-प्रबंध	0	14	0	14

प्रथम सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 1 01 C 4105	आधुनिक हिंदी कविता-I	4	1	0	5
2.	SHSS HND 1 1 02 C 4105	हिंदी कथा साहित्य –I	4	1	0	5
3.	SHSS HND 1 1 03 C 4105	आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	1	0	5
4.	SHSS HND 1 1 04 C 4105	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	1	0	5
5.		***अन्य विभाग से चयन किया जायेगा***				4

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 2 05 C 4105	आधुनिक हिंदी कविता-II	4	1	0	5
2.	SHSS HND 1 2 06 C 4105	हिंदी कथा साहित्य-II	4	1	0	5
3.	SHSS HND 1 2 07 C 4105	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	4	1	0	5
4.	SHSS HND 1 2 08 C 4105	आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	4	1	0	5
5.	SHSS HND 1 2 01 DCEC 0202	पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा (अनिवार्य)	0	2	0	2
6.	**विभाग के विद्यार्थियों के लिए** *अधोलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा*		3	1	0	4
	SHSS HND 1 2 02 DCEC 3104	हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार				
	SHSS HND 1 2 03 DCEC 3104	आधुनिक भारतीय साहित्य				
	SHSS HND 1 2 04 DCEC 3104	लोक साहित्य				
	SHSS HND 1 2 05 DCEC 3104	समकालीन हिंदी कविता				
	SHSS HND 1 2 06 DCEC 3104	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य				
	SHSS HND 1 2 07 DCEC 3104	कथेतर गद्य विधाएँ				
	SHSS HND 1 2 08 DCEC 3104	प्रवासी साहित्य				

तृतीय सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 3 09 C 4105	भक्तिकाव्य	4	1	0	5
2.	SHSS HND 1 3 10 C 4105	भारतीय काव्यशास्त्र	4	1	0	5
3.	SHSS HND 1 3 11 C 4105	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4	1	0	5
4.	SHSS HND 1 3 01 DCEC 2114	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (अनिवार्य)	2	1	1	4
5.	***अन्य विभाग से चयन किया जायेगा***					4
6.	***विभाग के विद्यार्थियों के लिए*** *अधोलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा*		3	1	0	4
	SHSS HND 1 3 02 DCEC 3104	कबीरदास				
	SHSS HND 1 3 03 DCEC 3104	मलिक मुहम्मद जायसी				
	SHSS HND 1 3 04 DCEC 3104	तुलसीदास				
	SHSS HND 1 3 05 DCEC 3104	सूरदास				
	SHSS HND 1 3 06 DCEC 3104	मीरां				
	SHSS HND 1 3 07 DCEC 3104	बिहारीदास				
	SHSS HND 1 2 08 DCEC 3104	घनानंद				
	SHSS HND 1 2 09 DCEC 3104	भारतेंदु हरिश्चंद्र				

	SHSS HND 1 2 10 DCEC 3104	बालमुकुंद गुप्त	
	SHSS HND 1 2 11 DCEC 3104	प्रेमचंद	
	SHSS HND 1 2 12 DCEC 3104	रामचंद्र शुक्ल	
	SHSS HND 1 2 13 DCEC 3104	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	
	SHSS HND 1 2 14 DCEC 3104	अज्ञेय	

चतुर्थ सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SHSS HND 1 4 12 C 4105	हिंदी आलोचना	4	1	0	5
2.	SHSS HND 1 4 13 C 4105	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	0	5
3.	SHSS HND 1 4 01 SEEC 014014	लघु शोध-प्रबंध	0	14	0	14

अन्य विभाग के विद्यार्थियों हेतु प्रस्तावित सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों (GEC) की सूची

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
प्रथम सेमेस्टर में प्रस्तावित						
1.	SHSS HND 1 1 01 GE 3104	हिंदी भाषा एवं व्याकरण	3	1	0	4
2.	SHSS HND 1 1 02 GE 3104	हरियाणा का साहित्य	3	1	0	4
3.	SHSS HND 1 1 03 GE 3104	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग	3	1	0	4
4.	SHSS HND 1 1 04 GE 3104	सृजनात्मक लेखन	3	1	0	4
तृतीय सेमेस्टर में प्रस्तावित						
5.	SHSS HND 1 3 05 GE 3104	सिनेमा अध्ययन	3	1	0	4
6.	SHSS HND 1 3 06 GE 3104	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	1	0	4
7.	SHSS HND 1 3 07 GE 3104	साहित्य का अंतर-अनुशासनिक अध्ययन	3	1	0	4
8.	SHSS HND 1 3 08 GE 3104	अस्मितामूलक साहित्य	3	1	0	4
9.	SHSS HND 1 3 09 GE 3104	साहित्य का समाजशास्त्र	3	1	0	4

अधिगम परिणाम सूचकांक

I. कार्यक्रम के परिणाम तथा कार्यक्रम के विशेष परिणाम (Programme Outcomes and Programme Specific Outcomes)

PO	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9
PO-1	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-2	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-3	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-4	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-6	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-7	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-8	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO-9	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

पाठ्यक्रम स्तरीय अधिगम निष्कर्ष

I. मुख्य पाठ्यक्रम / Core Courses (CC):

PSO	CC-1	CC-2	CC-3	CC-4	CC-5	CC-6	CC-7	CC-8	CC-9	CC-10	CC-11	CC-12	CC-13
PSO-1	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-2	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-3	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-4	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-6	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-7	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-8	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-9	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

III. वैकल्पिक पाठ्यक्रम (विभाग के विद्यार्थियों हेतु) / Elective Courses (DCEC):

PSO	DCEC-1	DCEC-2	DCEC-3	DCEC-4	DCEC-5	DCEC-6	DCEC-7	DCEC-8	DCEC-9	DCEC-10	DCEC-11
PSO-1	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X	X	X
PSO-2	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-3	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-4	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-6	✓	X	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-7	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-8	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-9	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

PSO	DCEC-12	DCEC-13	DCEC-14	DCEC-15	DCEC-16	DCEC-17	DCEC-18	DCEC-19	DCEC-20	DCEC-21	DCEC-22
PSO-1	X	X	X	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X
PSO-2	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X
PSO-3	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-4	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X
PSO-6	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-7	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-8	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-9	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

IV. वैकल्पिक पाठ्यक्रम (अन्य विभागों हेतु) Elective Courses (GEC):

PSO	GEC-1	GEC-2	GEC-3	GEC-4	GEC-5	GEC-6	GEC-7	GEC-8	GEC-9
PSO-1	X	X	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓
PSO-2	X	✓	X	✓	X	X	✓	✓	✓
PSO-3	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-4	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-5	X	✓	✓	✓	X	X	✓	✓	✓
PSO-6	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-7	X	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-8	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PSO-9	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	✓

V. कौशल आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम / Skill Enhancement Elective Courses (SEEC) :

PSO	SEEC-1
PSO-1	✓
PSO-2	✓
PSO-3	✓
PSO-4	✓
PSO-5	✓
PSO-6	✓
PSO-7	✓
PSO-8	✓

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम : आधुनिक हिंदी कविता-I
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 01 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयामों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- आधुनिक हिंदी कविता के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश का ज्ञान।
- खड़ी बोली में कविता के आरंभिक स्वरूप का बोध।
- भारतेंदु, द्विवेदी और छायावादयुगीन कवियों की संवेदना, काव्यभाषा एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान।
- पाठ-बोध से आधुनिक कविता को समझने का व्यावहारिक ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतेंदुयुगीन कविता का स्वरूप; द्विवेदीयुगीन काव्य की विशेषताएँ; छायावाद : नामकरण, परिभाषा और समय-सीमा; छायावाद की विशेषताएँ; छायावाद की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-दार्शनिक पृष्ठभूमि; छायावाद में प्रकृति और स्त्री; छायावाद की काव्य-भाषा और छंद-विधान
2.	**मैथिलीशरण गुप्त :** साकेत (नवम सर्ग) **जयशंकर प्रसाद :** कामायनी (श्रद्धा, इड़ा)
3.	**सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :** जुही की कली; राम की शक्तिपूजा
4.	**सुमित्रानंदन पंत :** परिवर्तन; प्रथम रश्मि **महादेवी वर्मा :** मैं नीर भरी दुःख की बदली; बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ; यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो; फिर विकल हैं प्राण मेरे

अनुशंसित पुस्तकें :

- छायावाद; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1955.
- निराला की साहित्य साधना-1,2,3; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1969-1976.
- निराला : आत्महंता आस्था; दूधनाथ सिंह; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- कामायनी : एक पुनर्विचार; मुक्तिबोध; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- महादेवी; दूधनाथ सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- पंत और पल्लव; सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला; गंगा-ग्रंथागार, लखनऊ; 1966.
- काव्य और कला तथा अन्य निबंध; जयशंकर प्रसाद; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- जयशंकर प्रसाद; नन्ददुलारे वाजपेयी; भारती भंडार, इलाहाबाद; 2013.
- कल्पना और छायावाद; केदारनाथ सिंह; वाणी प्रकाशन; दिल्ली; 1957.
- आधुनिक हिंदी कविता; कमला प्रसाद; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2017.

- छायावाद की प्रासंगिकता; रमेशचंद्र शाह; वाग्देवी पॉकेट बुक्स, बीकानेर (राज.); 2003.
- छायावाद का पतन; देवराज उपाध्याय; श्री विद्यावती, छपरा; 1948.

पाठ्यक्रम : हिंदी कथा साहित्य-I
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 02 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंदयुगीन हिंदी कथा साहित्य और उसके स्वरूप की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- हिंदी कहानी और उपन्यास की पृष्ठभूमि एवं आरंभिक स्वरूप का ज्ञान।
- हिंदी कहानी एवं उपन्यास की विशिष्टता का बोध।
- हिंदी कहानी एवं उपन्यास की संरचना व शिल्प से परिचय।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी; प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी; हिंदी की पहली कहानी; प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास; प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
2.	**उपन्यास : श्रीनिवास दास :** परीक्षा गुरु; **देवकीनंदन खत्री :** चंद्रकांता
3.	**उपन्यास : प्रेमचंद :** गोदान; **जैनेंद्र कुमार :** त्यागपत्र
4.	**कहानी : किशोरी लाल गोस्वामी :** इंदुमती; **माधव प्रसाद मिश्र :** विश्वास का फल **चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' :** उसने कहा था; **विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक' :** ताई **सुदर्शन :** हार की जीत; **जयशंकर प्रसाद :** आकाशदीप; **प्रेमचंद :** ईदगाह

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी की आरंभिक कहानियां; (संपा.) गंगाप्रसाद विमल; नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली; 2014.
- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा; रामदरश मिश्र; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान; रामदरश मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- कहानी की रचना प्रक्रिया; परमानन्द श्रीवास्तव; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2012.
- 23 हिंदी कहानियां; (संपा.) जैनेंद्र कुमार; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 1998.
- प्रेमचंद : एक विवेचन; इंद्रनाथ मदान; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन; नंददुलारे वाजपेयी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- चंद्रकांता; देवकीनंदन खत्री; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- हिंदी कहानी संग्रह; संपा. भीष्म साहनी; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2015.
- अठारह उपन्यास; राजेंद्र यादव; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 1999.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; आचार्य रामचंद्र शुक्ल; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2013.
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास; बच्चन सिंह; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- हिंदी कहानी का इतिहास; गोपाल राय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- हिंदी कहानी का इतिहास (भाग-2); गोपाल राय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी कहानी का इतिहास (भाग-3); गोपाल राय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2020.

पाठ्यक्रम : आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 03 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी-साहित्य के इतिहास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी-साहित्य से संबंधित प्रमुख कवियों एवं उनके द्वारा रचित ग्रंथों की जानकारी।
- तात्कालिक युग के साहित्य की प्रकृति एवं मौलिक विशेषताओं का ज्ञान।
- तत्कालीन साहित्य और उसके स्वरूप का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं रचनाकार; इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की आवश्यकता; हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं; हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण
2.	आदिकाल की सामान्य विशेषताएं एवं युगीन प्रवृत्तियां; रासो काव्य परंपरा; जैन, सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय
3.	भक्ति-आंदोलन के उदय के कारण एवं युगीन प्रवृत्तियां; निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियां; भक्तियुगीन काव्यधाराएं; वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलवार संत
4.	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं रीति-कवियों का आचार्यत्व; रीतिकवियों का सौंदर्य बोध

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 1988.
- हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- हिंदी साहित्य का आदिकाल: हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- हिंदी साहित्य का इतिहास: डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली; 2018.
- हिंदी रीति साहित्य: भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1999.
- परंपरा का मूल्यांकन: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2004.
- लोक जागरण और हिंदी साहित्य: रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1990.
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास: विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली; 2007.
- वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकास; सुवीरा जायसवाल; ग्रंथशिल्पी, दिल्ली; 1996.
- रीतिकाव्य की भूमिका; डॉ. नगेंद्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1953.

पाठ्यक्रम : भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1O4 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- भाषाविज्ञान की अवधारणा एवं हिंदी भाषा के इतिहास की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भाषाविज्ञान के विभिन्न अंगों के बारे में जानकारी।
- भाषा की रूपगत संरचना का बोध।
- हिंदी भाषा का आधारभूत ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भाषाविज्ञान की अवधारणा; भाषाविज्ञान का क्षेत्र; भाषाविज्ञान की उपयोगिता; भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्र
2	स्वन/ध्वनि विज्ञान की अवधारणा; ध्वनि-वर्गीकरण के आधार; स्वन और उसकी सार्थकता; स्वनिम की विशेषताएं; स्वनिम और संस्वन
3	शब्द और रूप (पद); संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व; रूपिमों का स्वरूप; रूपिमों का वर्गीकरण; अर्थ की अवधारणा; अर्थ बोध के साधन; अर्थ विकास की दिशाएँ; अर्थ परिवतन के कारण
4	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; आर्य भाषा परिवार की रूप-रेखा; हिंदी भाषा का का उद्भव और विकास; हिंदी भाषा का भौगोलिक विस्तार; हिंदी की प्रमुख बोलियाँ; हिंदी की संवैधानिक स्थिति : राजभाषा, संपर्क भाषा और राष्ट्रभाषा

अनुशंसित पुस्तकें :

- भाषाविज्ञान : डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद; 2018.
- भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली; 2016.
- हिंदी भाषा : डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद; 2016.
- हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग; 1933
- भाषा –विज्ञान एवं भाषा- शास्त्र : डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; 2012.
- आधुनिक भाषाविज्ञान : कृपाशंकर सिंह , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1977.
- भाषा, साहित्य और इतिहास का पुनर्पाठ; राजेंद्र प्रसाद सिंह; सम्यक प्रकाशन, दिल्ली; 2021.
- हिंदी भाषा और नागरी लिपि का विकास; बालगोविंद मिश्र; हिंदी साहित्य प्रेस, इलाहाबाद; 1957.
- हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप; राजमणि शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- भारतीय आर्य भाषा और हिंदी; डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1954.
- हिंदी-उर्दू : साझा संस्कृति; संपा. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान एवं अन्य; नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली; 2011.

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम : आधुनिक हिंदी कविता-II
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 05 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- छायावादोत्तर काव्य के विविध आयामों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- छायावादोत्तर काव्य के विविध काव्यांदोलनों की प्रवृत्तियों का ज्ञान।
- स्वाधीनता आंदोलन और उसके उपरांत भारतीय समाज, संस्कृति और राजनीति का बोध।
- पाठ-अध्ययन से काव्यालोचन-विवेक का निर्माण।
- विभिन्न धाराओं के कवियों की काव्यसंवेदना, काव्यभाषा और शिल्प का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	छायावादोत्तर कविता की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, हालावाद, मांसलवाद, राष्ट्रवादी कविता, नयी कविता, अकविता, नवगीत एवं समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
2.	**रामधारी सिंह 'दिनकर':** उर्वशी (तृतीय अंक) **नागार्जुन :** बादल को घिरते देखा है, कालिदास, शासन की बन्दूक
3.	**सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय':** असाध्यवीणा, कलगी बाजरे की **भवानी प्रसाद मिश्र :** गीत फरोश
4.	**गजानन माधव 'मुक्तिबोध':** अँधेरे में **सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' :** रोटी और संसद, मोचीराम, नक्सलबाड़ी

अनुशंसित पुस्तकें :

- नयी कविता और अस्तित्ववाद; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1987.
- एक साहित्यिक की डायरी; गजानन माधव मुक्तिबोध; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1980.
- कल्पना का उर्वशी विवाद; सं. गोपेश्वर सिंह; वाणी प्रकाशन; दिल्ली; 2010.
- कविता के नये प्रतिमान; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य; रेखा अवस्थी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना; नंद किशोर नवल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- नेहरू युग और अकविता; वेद प्रकाश; शिल्पायन, दिल्ली; 2015.
- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'; अवधेश प्रधान; साहित्य अकादमी; दिल्ली; 2012.
- प्रगतिवाद; शिवदान सिंह चौहान; प्रदीप कार्यालय; मुरादाबाद; 1946.
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- अज्ञेय की काव्य तितीर्षा; नंदकिशोर आचार्य; सूर्य प्रकाशन मंदिर, बीकानेर; 1980.
- अकविता और कला-संदर्भ; श्याम परमार; जयकृष्ण अग्रवाल, अजमेर; 1968.

पाठ्यक्रम : हिंदी कथा साहित्य-II
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 06 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- प्रेमचन्दोत्तर हिंदी कथा साहित्य और उसके स्वरूप से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- हिंदी कहानी और उपन्यास के स्वरूप का ज्ञान।
- हिंदी कहानी के विविध आंदोलनों की जानकारी।
- पाठ बोध से भारतीय समाज एवं राजनीति की समझ का विकास ।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारत विभाजन और हिंदी कथा साहित्य; नयी कहानी और उसका स्वरूप; हिंदी कहानी के विविध आंदोलन; विचारधारा और उपन्यास; प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास; प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
2.	**उपन्यास : अज्ञेय :** शेखर : एक जीवनी (भाग-एक)
3.	**उपन्यास : श्रीलाल शुक्ल :** राग दरबारी; **कृष्णा सोबती :** समय सरगम
4.	**कहानी : अमरकांत :** जिंदगी और जोंक; **निर्मल वर्मा :** परिंदे; **रांगेय राघव :** गदल **उषा प्रियंवदा :** वापसी; **ओमप्रकाश वाल्मीकि :** बैल की खाल

अनुशंसित पुस्तकें :

- कहानी : नयी कहानी; नामवर सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2014.
- नयी कहानी की भूमिका; कमलेश्वर; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- हिंदी उपन्यास का इतिहास; गोपाल राय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- कहानी : अनुभव और अभिव्यक्ति; राजेंद्र यादव; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- कहानी : स्वरूप और संवेदना; राजेंद्र यादव; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- हिंदी कहानी : यथार्थवादी नज़रिया; मार्कंडेय; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2013.
- हिंदी कहानी : परंपरा और प्रगति; डॉ. हरदयाल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास; बच्चन सिंह; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- एक दुनिया : सामानांतर; राजेंद्र यादव; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2021.
- हिंदी कहानी संग्रह; संपा. भीष्म साहनी; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2015.
- नयी कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति; देवीशंकर अवस्थी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1973.
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ; सुरेंद्र चौधरी; अंतिका प्रकाशन, गाज़ियाबाद; 2009.
- हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति; सुरेंद्र चौधरी; अंतिका प्रकाशन, गाज़ियाबाद; 2009.
- हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश; मधुरेश; आधार प्रकाशन ,पंचकूला; 1997.
- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा; रामदरश मिश्र; राजकमल प्रकाशन; 2016.
- कथा में किसान (भाग : एक एवं दो); संपा. अमित मनोज; संवाद प्रकाशन, मेरठ; 2018.

- शांति निकेतन से शिवालिक तक; संपा. शिवप्रसाद सिंह; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1988.
- भारतीय उपन्यास और आधुनिकता; वैभव सिंह; आधार प्रकाशन ,पंचकूला; 2013.
- कहानी : विचारधारा और यथार्थ; वैभव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- अठारह उपन्यास; राजेंद्र यादव; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- उपन्यास और लोकतंत्र; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.

पाठ्यक्रम : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 07 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास की आवश्यक जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- आधुनिक हिंदी-साहित्य से संबंधित प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की जानकारी।
- आधुनिक युग के साहित्य की प्रकृति का ज्ञान
- आधुनिक युग के साहित्य की मौलिक विशेषताओं की समझ का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	आधुनिकता की अवधारणा; हिंदी गद्य का उद्भव और विकास; 1857 की क्रांति एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण; भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं उनका मंडल; हिंदी नवजागरण और पत्र-पत्रिकाएँ
2.	छायावाद के प्रतिनिधि कवि एवं उनके काव्य-ग्रंथ; छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां; प्रगतिवाद के उदय के कारण एवं युगीन परिस्थितियां; प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के प्रमुख कवि; नयी कविता एवं उसकी प्रमुख प्रवृतियाँ
3.	हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा; हिंदी कहानी का उद्भव और विकास; हिंदी नाटक एवं रंगमंच का इतिहास; हिंदी आलोचना एवं निबंध साहित्य का परिचय; प्रेमचंद एवं उनके युग का साहित्य
4.	हिंदी साहित्य में दलित विमर्श; हिंदी साहित्य में नारी विमर्श हिंदी साहित्य में अन्य हाशिए के विमर्श; हिंदी का प्रवासी साहित्य

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2008.
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास; बच्चन सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2007.
- परंपरा का मूल्यांकन; राम विलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2004.
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण; राम विलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- छायावाद; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- कविता के नए प्रतिमान; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां; नामवर सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2008.
- प्रेमचंद और उनका युग; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- हिंदी नाटक का आत्म-संघर्ष; गिरीश रस्तोगी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- उपन्यास और लोकतंत्र; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- हिंदी आलोचना; विश्वनाथ त्रिपाठी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास; विश्वनाथ त्रिपाठी; ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली; 2007.

- हिंदी नाटक : उद्भव और विकास; दशरथ ओझा; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2013.
- प्रवासी लेखन : नयी जमीन, नया आसमान; अनिल जोशी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का गद्य साहित्य; रामचंद्र तिवारी; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; 2014.
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास; रामस्वरूप चतुर्वेदी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2005.
- हिंदी साहित्य का आधा इतिहास; सुमन राजे; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2003.

पाठ्यक्रम : आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 08 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन युग से संबंधित प्रतिनिधि कवियों एवं उनके द्वारा रचित काव्य की जानकारी।
- आदिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य के भाव, भाषा एवं शिल्प का ज्ञान.
- आदिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य की मौलिक विशेषताओं की समझ का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
.1	भारतीय धर्म साधना में नाथों व सिद्धों का योगदान तथा उनका साहित्य; आदिकालीन हिंदी का जैन साहित्य; अमीर खुसरो की हिंदी कविता; लोक-काव्य के रूप में ढोला मारू रा दूहा
.2	रीतिकवियों का आचार्यत्व; रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां; रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य; रीतिकाव्य में लोक जीवन; रीति काव्य की अंतर्वस्तु एवं युगबोध; केशव की संवाद योजना एवं काव्य दृष्टि; बिहारी की काव्य-कला एवं सौंदर्य भावना; घनानंद की प्रेम व्यंजना एवं छंद योजना
.3	ढोला मारू रा दूहा : संपा. नरोत्तम स्वामी एवं सूर्यकरण पारीक (आरंभिक छह पद) पृथ्वीराज रासो (चंद वरदायी) : रेवा तट विद्यापति की पदावली: संपा. डॉ. नरेन्द्र झा (आरंभिक दस पद)
. 4	केशवदास-रामचंद्रिका : संपा. विजयपाल सिंह (आरंभिक छह पद); बिहारी सतसई: संपा. जगन्नाथ दास ' रत्नाकर' (आरंभिक पच्चीस दोहे); घनानंद कवित्त: संपा. विश्वनाथ मिश्र (आरंभिक दस पद)

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचन्द्र शुक्ल; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2013.
- हिंदी साहित्य की भूमिका; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेद; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड); विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- पृथ्वीराज रासो; संपा. कविराव मोहन सिंह; राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर; 2013.
- विद्यापति पदावली; संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी; साहित्य सरोवर, पटना; 2018.
- ढोला मारू रा दूहा; संपा. नरोत्तम स्वामी, सूर्यकरण पारीक एवं राम सिंह; राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर; 2014.
- अमीर खुसरों का हिंदवी काव्य; गोपी चंद नारंग; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- हिंदी रीति साहित्य; भगीरथ मिश्र; राजकमल प्रकाशन,दिल्ली; 1999.
- केशवदास; संपा. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2015.
- बिहारी का नया मूल्यांकन; बच्चन सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2014.
- घनानंद का शृंगार काव्य; रामदेव शुक्ल; अनन्य प्रकाशन, दिल्ली; 2017.

पाठ्यक्रम : पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा (अनिवार्य)
पाठ्यक्रम कोड : SHHSS HND 1 2 01 DCEC 0202

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा के माध्यम से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- पुस्तक एवं फिल्म की जानकारी की प्राप्ति।
- पुस्तक एवं फिल्म के भाव, भाषा और शिल्प का ज्ञान।

नोट : यह पाठ्यक्रम चयनित फिल्मों एवं पुस्तकों की समीक्षा पर आधारित होगा. फिल्मों एवं पुस्तकों का चयन संबंधित शिक्षक द्वारा किया जाएगा.

पाठ्यक्रम : हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 12O2 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी पत्रकारिता की भाषा, स्वरूप का बोध प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता का मूल्यांकन।
- मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों के बोध की प्राप्ति।
- समाचार की संरचना और उसकी भाषा का ज्ञान।
- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास क्रम की जानकारी।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	पत्रकारिता की परिभाषा एवं स्वरूप; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास; हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ; हिंदी पत्रकारिता एवं सामयिक मुद्दे; पत्रकरिता और विश्वसनीयता; पीत पत्रकारिता
2	जनसंचार का अर्थ एवं अवधारणा; जनसंचार माध्यमों की संरचना; संचार माध्यमों का स्वरूप एवं भाषा; संचार माध्यमों का सामाजिक प्रभाव; सोशल मीडिया और उसकी आवश्यकता
3	मीडिया लेखन : प्रिंट मीडिया; समाचार पत्र की संरचना; समाचार का अर्थ और प्रकृति; फीचर लेखन; संवाददाता के गुण; समाचार के स्रोत; संपादक और संपादन
4	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया: रेडियो लेखन; रेडियो समाचार के गुण; रेडियो और विज्ञापन; टी.वी लेखन : समाचार लेखन; समाचारों की प्रस्तुति एवं भाषा

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास; अर्जुन तिवारी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1997.
- अखबारनामा : साम्राज्यवादी पत्रकारिता; आलोक श्रीवास्तव; संवाद प्रकाशन, मेरठ; 2020.
- पत्रकारिता के उत्तर-आधुनिक चरण; कृपाशंकर चौबे; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2003.
- बोलना ही है; रवीश कुमार; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- साहित्यिक पत्रकारिता; ज्योतिष जोशी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- संचार माध्यम लेखन; गौरीशंकर रैणा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न; कृष्ण बिहारी मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- समकालीन वैश्विक पत्रकारिता में अखबार; प्रांजल धर; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- आधुनिक विज्ञापन; प्रेमचंद पातंजलि; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- विज्ञापन डॉट कॉम; रेखा सेठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- कंप्यूटर और हिंदी; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- मीडिया, जनतंत्र और आतंकवाद; सुधीश पचौरी; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2005.
- समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला ; डॉ. हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 1999.

- मीडिया की बदलती भाषा; डॉ. अजय कुमार सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2012.
- हिंदी पत्रकारिता; आश्वस्ति और आशंका; कृष्ण बिहारी मिश्र; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; 2019.

पाठ्यक्रम : आधुनिक भारतीय साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 03 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ का विकास।
- आधुनिक भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों का ज्ञान ।
- आधुनिक भारतीय साहित्य के सरोकारों से परिचय।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य की तुलनात्मक जानकारी

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भारत और भारतीयता की अवधारणा; भारतीय चिंतन परंपरा; भारत में बहुभाषिकता और बहुसांस्कृतिकता; आधुनिक भारतीय साहित्य का स्वरूप
2	**उपन्यास :** तकषी शिवशंकर पिल्लै : मछुआरे (मलयालम) **नाटक :** गिरीश कर्नाड : तुगलक (कन्नड़)
3	**चिंतन :** ज्योतिबा फुले : गुलामगिरी (मराठी) **कहानी :** करतार सिंह दुग्गल : इंसानियत (पंजाबी) सच्चिदानंद राउतराय : जंगल (उड़िया)
4	**कविताएँ : रवींद्रनाथ टैगोर :** अभिसार, प्राण, मुक्ति त्राण, भारत तीर्थ, बंदी, अपमानित (अनुवाद एवं संपादन : हजारी प्रसाद द्विवेदी) (बांग्ला) **: ग़ालिब :** कोई उम्मीद बार नहीं आती, हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे (उर्दू)

अनुशंसित पुस्तकें :

- भारतीय साहित्य की भूमिका; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- संस्कृति के चार अध्याय; रामधारी सिंह 'दिनकर'; उदयाचल प्रकाशन, पटना; 2011.
- भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; ए.आर. देसाई; मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- आधुनिक भारतीय चिंतन; विश्वनाथ नारवड़े; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1966.
- मृत्युंजय रवींद्रनाथ; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1963.
- भारतीय चिंतन परंपरा; के. दामोदरन; पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2011.
- भारतीय साहित्य; नगेंद्र; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- भारतीय साहित्य की रूपरेखा; भोलाशंकर व्यास; चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी; 2008.
- ग़ालिब की कविता; कृष्णदेव गौड़; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2003.
- गालिब: हकीकत के आईने में; हंसराज रहबर; हिंदी साहित्य सदन, दिल्ली; 2010.

पाठ्यक्रम : लोक साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 04 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- लोक साहित्य व विमर्श से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- लोक साहित्य की अवधारणा की समझ का विकास।
- लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी की प्राप्ति।
- लोक संस्कृति और साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप; लोक और शास्त्र का संबंध; लोक साहित्य की विभिन्न विधाएँ; लोक साहित्य : परंपरा और प्रयोग; साहित्य और लोक साहित्य; लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
2.	रामलीला, जात्रा, कथकली, नौटंकी, तमाशा, यक्षगान, भवाई, माच, स्वांग का सामान्य परिचय; लोकगाथा का स्वरूप और विशेषताएँ; लोकगाथा की भारतीय परंपरा; लोकगीत का स्वरूप और विशेषताएँ; लोकगीतों के प्रकार
3.	लोककथा का स्वरूप और विशेषताएँ; लोककथाएँ और लोकजीवन; लोक की बोलियाँ, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ आदि **लोककथा :** ज्ञान की महिमा (असमिया); शिल्पी की देन (उड़िया); कर्त्तव्य पालन (काश्मीरी); बुद्धि की परख (मलयालम); विधाता की हार (तेलंगी); त्याग की भावना (तमिल) (संकलित-भारतीय लोककथाएँ; पहाड़ी; हिमांचल प्रकाशन, इलाहाबाद)
4.	**लोकनाट्य :** राजा हरिश्चंद्र (पंडित लखमीचंद); बिदेसिया (भिखारी ठाकुर) **लोकगीत :** भर लावो पाणी... (पृ.82.), उड़े-उड़े रे म्हारा कागा...(पृ. 133.) (राजस्थानी) (राजस्थानी लोकगीत; पुरुषोत्तमलाल मेनारिया) जगमल लौंग दुपत... (पृ.262.), सांझ भेल न घर...(पृ. 336.) (मैथिली) (मैथिली लोकगीत; राम इकबाल सिंह 'राकेश') असीं रावी ते... (पृ.95.), पंज सत्त पिन्नियां...(पृ. 103.) (पंजाबी) (धीरे बहो गंगा; देवेंद्र सत्यार्थी) हे री आई सै रंगीली तीज... (पृ. 8) (हरियाणवी) (हरियाणा के लोकगीत; संपा. साधुराम शारदा)

अनुशंसित पुस्तकें :

- लोक साहित्य की भूमिका; कृष्णदेव उपाध्याय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- भारतीय लोक साहित्य; श्याम परमार; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1954.
- लोक साहित्य विज्ञान; डॉ. सत्येंद्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- भारतीय लोक साहित्य कोश; संपा. डॉ. सुरेश गौतम, संजय प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- भारतीय लोककथाएँ (भाग-एक); पहाड़ी; हिमांचल प्रकाशन, इलाहाबाद; 1985.

- हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्य शास्त्र; डॉ. नंदलाल कल्ला; राजस्थानी ग्रंथागार, 2018.
- हरियाणवी लोकधारा : प्रतिनिधि रागनियाँ; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2012.
- पं. लखमीचंद ग्रंथावली; संपा. पूर्णचंद शर्मा; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 2013.
- देस हरियाणा; लोक आख्यान विशेषांक, अंक-26; संपा. सुभाष चंद्र, कुरुक्षेत्र
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य; शंकरलाल यादव; हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहबाद; 2000.
- बातां री फुलवाड़ी; विजयदान देथा; राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर; 2013.
- लोक साहित्य की भूमिका; डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद; 1957.
- हरियाणवी लोक कथाएं; शंकरलाल यादव; हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़; 1999.
- हरियाणा के लोकगीत; संपा. साधुराम शारदा; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 1970.
- भोजपुरी ग्रामगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग; 2000.
- लोकगीतों का बुगचा; निर्मल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- राजस्थानी लोकगीत; पुरुषोत्तमलाल मेनारिया; चिन्मय प्रकाशन, जयपुर; 1968.
- मैथिली लोकगीत; राम इकबाल सिंह 'राकेश'; हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग; 2012.
- धीरे बहो गंगा; देवेंद्र सत्यार्थी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1984.

पाठ्यक्रम : समकालीन हिंदी कविता
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 05 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- समकालीन हिंदी कविता के परिदृश्य और परिवेश से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- समकालीन समाज, संस्कृति और राजनीति का बोध।
- समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों का ज्ञान।
- समकालीन कविता के लोकतांत्रिक स्वरूप का बोध।
- समकालीन कवियों और उनके कविकर्म का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	समकालीनता की अवधारणा; आपातकाल और हिंदी कविता; काव्यांदोलन और कविता की वापसी; समकालीन कविता : भूमंडलीकरण, साम्प्रदायिकता और पर्यावरण; समकालीन हिंदी कविता का लोकतांत्रिक स्वरूप; समकालीन हिंदी कविता में अस्मितामूलक स्वर; समकालीन हिंदी कविता और आलोचना
2.	**आलोक धन्वा :** सफेद रात; **ज्ञानेंद्रपति :** ट्राम में एक याद, बीज-व्यथा; **राजेश जोशी :** बच्चे काम पर जा रहे हैं; **चंद्रकांत देवताले:** औरत; **अरुण कमल :** अपनी केवल धार
3.	**वीरेन डंगवाल :** हमारा समाज; **अष्टभुजा शुक्ल :** हाथा मारना; **कुमार अंबुज :** क्रूरता; **ओमप्रकाश वाल्मीकि :** ठाकुर का कुआँ; **मलखान सिंह :** मैं आदमी नहीं हूँ
4.	**अनामिका :** खियाँ, बेजगह; **कात्यायनी :** सात भाइयों के बीच चम्पा; **निर्मला गर्ग :** जीने की शर्त; **सविता सिंह :** विमला की यात्रा; **नीलेश रघुवंशी:** हंडा; **इंदु जैन:** यह लड़की; **गगन गिल :** एक दिन लौटेगी लड़की; **सुशीला टाकभौरे :** सुनो विक्रम, ओ वाल्मीकि

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी की प्रगतिशील कविता; लल्लन राय; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 1989.
- कविता की संगत; विजय कुमार; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2012.
- समकालीन कविता का व्याकरण; परमानंद श्रीवास्तव; शुभदा प्रकाशन, दिल्ली; 1980.
- कविता का अर्थात्; परमानंद श्रीवास्तव; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1999.
- एक कवि की नोटबुक; राजेश जोशी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2004.
- दलित कविता का संघर्ष; कँवल भारती; स्वराज प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- समकालीन कविता और मार्क्सवाद; आशुतोष कुमार; मेधा प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- स्त्री अस्मिता और समकालीन; प्रमिला के.पी.; लोकचेतना प्रकाशन; दिल्ली; 2011.
- समकालीन साहित्य की भूमिका; विश्वम्भरनाथ उपाध्याय; प्रकाशन, जयपुर; 2005.
- कविता और समय; अरुण कमल; वाणी प्रकाशन; दिल्ली; 2002.

पाठ्यक्रम : हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 06 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी में अनूदित साहित्य से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- वैश्विक स्तर पर विभिन्न भाषाओं में रचित साहित्य की जानकारी।
- हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों का ज्ञान ।
- विश्व साहित्य के सरोकारों से परिचय।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप; विश्व साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचय; भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन; विश्व साहित्य की समृद्धि में हिंदी का योगदान; विश्व साहित्य का हिंदी साहित्य पर प्रभाव
2.	उपन्यास : **मैक्सिम गोर्की :** माँ (रशियन) **अल्बेयर कामू :** प्लेग (फ्रेंच)
3.	कहानियां : **ओ' हेनरी :** बीस साल बाद (अंग्रेजी) (विश्व की पचास संवेदनशील कहानियां; अनु. ब्रह्मदेव) **अल्बर्तो मोरेविया :** गरमी का मजाक (इतालवी) (विश्व की पचास संवेदनशील कहानियां; अनु. ब्रह्मदेव)
4.	कविताएँ : **बेर्टोल्ट ब्रेष्ट :** जनरल तुम्हारा टैंक एक मजबूत वाहन है; जनता की रोटी, नया ज़माना (जर्मन) (बेर्टोल्ट ब्रेष्ट : इकहत्तर कविताएँ और तीस छोटी कहानिया; अनु. मोहन थपलियाल) **पाब्लो नेरुदा :** ओ धरा, मेरा इंतजार करो; अपार हिमपात और बर्फ़ (स्पैनिश) (देश-देश की कविताएँ; अनु. केदारनाथ अग्रवाल) **विस्वावा शिम्बोर्स्का :** बायोडाटा लिखना; अपनी बहन की तारीफ़ में (पोलिश) (रोशनी की खिड़कियाँ; अनु. सुरेश सलिल) **कामिमुरा हाजिमे :** पहाड़ की तलहटी, जुगनू (जापानी) (रोशनी की खिड़कियाँ; अनु. सुरेश सलिल)

अनुशंसित पुस्तकें :

- बेर्टोल्ट ब्रेष्ट : इकहत्तर कविताएँ और तीस छोटी कहानिया; अनु. मोहन थपलियाल; परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ; 2017.
- रोशनी की खिड़कियाँ; अनुवाद-सुरेश सलिल; अदिता प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- देश-देश की कविताएँ; अनु. केदारनाथ अग्रवाल; साहित्य भंडार, इलाहाबाद; 2010.
- विश्व की पचास संवेदनशील कहानियां; अनु. ब्रह्मदेव; मेधा बुक्स, दिल्ली; 2011.
- बीतती सदी में; नोबेल विजेता कवयित्री विस्साव शिम्बोर्स्का की कविताएँ; रूपांतर-विजय आहलूवालिया; संवाद प्रकाशन, मुंबई/मेरठ; 2004.

- दो नोबेल पुरस्कार विजेता कवि : चेस्साव मिविश, विस्वावा शिम्बोर्स्का; अनु. विष्णु खरे; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2001.
- माँ; मैक्सिम गोर्की; विदेशी भाषा प्रकाशन, मास्को; 2008.
- जब मैं जड़ों के बीच रहता हूँ; पाब्लो नेरुदा; अनु. रामकृष्ण पाण्डेय; परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ; 2014.

पाठ्यक्रम : कथेतर गद्य साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 07 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य की निर्माण भूमि के बारे जानकारी मिलेगी।
- हिंदी निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथाओं आदि की लेखन परंपरा का ज्ञान होगा।
- महत्त्वपूर्ण हिंदी निबंधों एवं अन्य विधाओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी गद्य की निर्माण भूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज; भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य; गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खां, सदासुख लाल, शिव प्रसाद सितारेहिन्द, राजा लक्ष्मण सिंह का परिचयात्मक अध्ययन
2.	भारतेंदु युग : आधुनिकता और गद्य का अंतर्संबंध; हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्त्व; हिंदी निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, आत्मकथा, व्यंग्य, डायरी एवं लघुकथा लेखन की परंपरा
3.	**निबंध :** साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट); बनाम लार्ड कर्जन (बालमुकुंद गुप्त); मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह); कविता क्या है (रामचंद्र शुक्ल); नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी); मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्यानिवास मिश्र); उत्तराफाल्गुनी के आस-पास (कुबेरनाथ राय)
4.	**यात्रा संस्मरण :** नेपाल की ओर (मेरी तिब्बत यात्रा-राहुल सांकृत्यायन) **रेखाचित्र :** ठकुरी बाबा (महादेवी वर्मा), माटी की मूरतें (रामवृक्ष बेनीपुरी) **आत्मकथा :** अपनी खबर (पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'); **रिपोर्ताज :** तूफानों के बीच (रांगेय राघव)

अनुशंसित पुस्तकें :

- मेरी तिब्बत यात्रा; राहुल सांकृत्यायन; छात्रहितकारी पुस्तकमाला, प्रयाग; 1937.
- हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियां; पुष्पपाल सिंह; वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद; 2004.
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास; रामस्वरूप चतुर्वेदी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2018.
- हिंदी का गद्य-साहित्य; रामचंद्र तिवारी; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; 2014.
- आधुनिक हिंदी गद्य का विकास और विश्लेषण; विजय मोहन सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2014.
- हिंदी कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग; दयानिधि मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- बालमुकुंद गुप्त के श्रेष्ठ निबंध; सत्यप्रकाश मिश्र; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2005.
- श्रेष्ठ निबंध; आचार्य रामचंद्र शुक्ल; संपा. रामचंद्र तिवारी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2004.
- सरदार पूर्णसिंह अध्यापक के निबंध; संपा. प्रभात शास्त्री; कौशांबी प्रकाशन, इलाहाबाद; संवत 2015.
- हजारीप्रसाद द्विवेदी : संकलित निबंध; संपा. नामवर सिंह; नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली; 2020.
- विद्यानिवास मिश्र; चयन एवं संपा. गिरीश्वर मिश्र; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2016.
- कुबेरनाथ राय : रचना संचयन; चयन एवं संपा. हनुमान प्रसाद शुक्ल; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2015.

- स्मृति की रेखाएं; महादेवी वर्मा; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2008.
- माटी की मूरतें; रामवृक्ष बेनीपुरी; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- तूफ़ानों के बीच; रांगेय राघव; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- अपनी ख़बर; पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2006.

पाठ्यक्रम : प्रवासी हिंदी साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 2 08 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- प्रवासी हिंदी साहित्य से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- प्रवासी हिंदी साहित्य के हिंदी में अवदान की जानकारी।
- प्रवासी हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों का ज्ञान ।
- प्रवासी हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन ।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रवासी जीवन : अवधारणा एवं स्वरूप; प्रवासी हिंदी साहित्य : परिभाषा और प्रवृत्तियां; प्रवासी हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन; वैश्विक पटल पर प्रवासी साहित्य की भूमिका; साहित्य के संबंध में प्रवासी जीवन और समस्याएं
2.	अमेरिका का प्रवासी हिंदी साहित्य; मॉरीशस का प्रवासी हिंदी साहित्य; सूरीनाम का प्रवासी हिंदी साहित्य; अन्य देशों का प्रवासी हिंदी साहित्य
3.	उपन्यास : **अभिमन्यु अनत :** लाल पसीना **सुषम बेदी :** मैंने नाता तोड़ा
4.	कहानियां : **उषा प्रियंवदा :** कितना बड़ा झूठ **तेजेंद्र शर्मा :** देह की कीमत **उषा राजे सक्सेना :** वह रात

अनुशंसित पुस्तकें :

- कितना बड़ा झूठ; उषा प्रियंवदा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- लाल पसीना; अभिमन्यु अनत; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- मैंने नाता तोड़ा; सुषम बेदी; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2009.
- देह की कीमत; तेजेंद्र शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- वह रात और अन्य कहानियां; उषा राजे सक्सेना; सामयिक प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य; संपा. विमलेश काँटी वर्मा, भावना सक्सेना; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- हिंदी प्रवासी साहित्य; संपा. डॉ. कमल किशोर गोयनका; यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली; 2016.
- प्रवासी लेखन : नयी ज़मीन, नया आसमान; अनिल जोशी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- हम प्रवासी; अभिमन्यु अनत; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; 2004.

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम : भक्तिकाव्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 09 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- भक्तिकाव्य से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भक्तिकाव्य की आलोचनात्मक समझ का विकास।
- भक्तिकाव्य की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं के बारे में ज्ञान।
- भक्तिकाव्य के काव्य-सरोकार व मूल्यों की जानकारी।
- भक्तिकाव्य के प्रतिनिधि कवियों के काव्य की जानकारी।

इकाई	पाठ्यक्रम
.1	भक्ति आंदोलन और उसके संप्रदाय; भक्ति काव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि; कबीर की भक्ति-भावना एवं रहस्य साधना; कबीर का समाज दर्शन; कबीर के काव्य में विद्रोह के स्वर; कबीर की काव्य-भाषा; कबीर: स. हजारी प्रसाद द्विवेदी (पद संख्या 161 से 175 तक)
.2	हिंदी के प्रमुख सूफी कवि एवं सूफी काव्य की विशेषताएँ; जायसी के काव्य में प्रेम भावना; पद्मावत में प्रकृति-चित्रण; पद्मावत में अभिव्यक्त रूपक एवं लोक तत्व; मालिक मुहम्मद जायसी के पद्मावत का 'नागमती वियोग खंड': सं. रामचंद्र शुक्ल
.3	मध्यकाल में स्त्री स्वर; मीरां का जीवन, युग एवं समाज; मीरां के काव्य में लोक तत्त्व; मीरां के काव्य में गीति तत्त्व; मीरां का काव्य: स. विश्वनाथ त्रिपाठी (आरंभिक दस पद) कृष्ण काव्य धारा एवं अष्टछाप के कवि; सूर काव्य में वाग्विदग्धता एवं लोक तत्त्व; सूरदास का श्रृंगार एवं वात्सल्य वर्णन; सूरदास : भ्रमरगीत सार-सं. रामचंद्र शुक्ल (पद संख्या : 21-30)
. 4	लोकमंगल की अवधारणा एवं तुलसीदास; तुलसी काव्य में निहित सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि; तुलसी की काव्य कला एवं प्रबंध कल्पना; तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस का 'उत्तर काण्ड' (गीता प्रैस) (आरंभिक दस दोहे एवं चौपाइयां)

अनुशंसित पुस्तकें :

- भ्रमरगीत सार; रामचन्द्र शुक्ल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- गोस्वामी तुलसीदास; रामचन्द्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 1935.
- हिंदी साहित्य की भूमिका; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2005.
- कबीर; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन दिल्ली; 2019.

- सूर साहित्य; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- त्रिवेणी; रामचंद्र शुक्ल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- मध्यकालीन बोध और साहित्य; हजारीप्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन दिल्ली; 2015.
- सूफी मत : साधना और साहित्य; रामपूजन तिवारी; ज्ञानमंडल, वाराणसी; संवत 2013.
- कबीर मीमांसा; रामचंद्र तिवारी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2018.
- कबीरदास : विविध आयाम; संपा. प्रभाकर श्रोत्रिय; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2002.
- अकथ कहानी प्रेम की; पुरुषोत्तम अग्रवाल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- पांच भक्त कवि; मुरली मनोहर प्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2017.
- पचरंग चोला पहर सखी री; माधव हाड़ा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- मीरां का जीवन :अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद; 2015.
- मीरां की भक्ति एवं राजनीति; अरविन्द सिंह तेजावत; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- जायसी; विजयदेव नारायण साही; हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद; 1973.
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य; मैनेजर पाण्डें; वाणी प्रकाशन, नयी; 2001.
- लोकवादी तुलसीदास; विश्वनाथ त्रिपाठी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1991.
- मलिक मुहम्मद जायसी; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2012.
- भक्ति और भक्ति आंदोलन; डॉ. सेवा सिंह; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2017.
- मध्यकालीन साहित्य : पुनरवलोकन; नित्यानंद तिवारी; साहित्य भंडार, इलाहाबाद; 2015.

पाठ्यक्रम : भारतीय काव्यशास्त्र
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 10 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- साहित्य के विषय में भारतीय चिंतन पद्धति की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भारतीय काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं ज्ञान परंपराओं का बोध।
- भारतीय काव्य सिद्धांतों की महत्वपूर्ण अवधारणाओं की जानकारी।
- भारतीय काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं का विश्लेणात्मक बोध|

इकाई	पाठ्यक्रम
1	काव्य : अर्थ एवं परिभाषा; काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन काव्य भेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य एवं मुक्तक, चम्पू काव्य; काव्य गुण एवं काव्य दोष
2	रस सिद्धांत : रस की परिभाषा एवं रस सूत्र की व्याख्या; रस निष्पत्ति; साधारणीकरण अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं; अलंकारों का सामान्य परिचय (अनुप्रास, उपमा, उत्पेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अतिश्योक्ति)
3	रीति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं वक्रोक्ति सिद्धांत : स्वरूप एवं प्रकार
4	ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं; शब्द शक्ति औचित्य सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं

अनुशंसित पुस्तकें :

- काव्यशास्त्र; भगीरथ मिश्र; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; 2014.
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2007.
- रीतिकाव्य की भूमिका; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2012.
- भारतीय काव्यशास्त्र; सत्यदेव चौधरी; अलंकार प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- काव्य के रूप; गुलाब राय; प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली; 2009.
- साहित्यालोचन; श्यामसुंदर दास; इंडियन प्रेस, प्रयाग; 2017.
- रस सिद्धांत; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2007.
- रस मीमांसा; आचार्य रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 2000.
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत; गणपति चंद्र गुप्त; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2009.
- संस्कृत आलोचना; बलदेव उपाध्याय; उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ; 2006.
- साहित्यालोचन : सिद्धांत और अध्याय; डॉ. सीताराम दीन; विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा; संवत 2006.

पाठ्यक्रम : हिंदी नाटक एवं रंगमंच
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 11 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच की अवधारणा एवं स्वरूप की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- नाटक एवं रंगमंच की विभिन्न रंग दृष्टि एवं शैलियों का ज्ञान।
- हिंदी नाटक एवं रंगमंच की परंपराओं का बोध।
- प्रमुख नाटककारों के माध्यम से समकालीन चिन्तन की समझ।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	नाटक के प्रमुख प्रकार एवं उनका रचना विधान; हिंदी नाटक एवं रंगमंच का उद्भव एवं विकास; भारतेंदु के नाटकों की रंगमंचीयता; आधुनिक नाटककारों की रंग दृष्टि; रंगमंच की प्रमुख शैलियाँ
2	भारतेंदु और प्रसाद के नाटकों की अभिनेयता; प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना नाटक : **भारतेंदु हरिश्चंद्र :** अंधेर नगरी **जयशंकर प्रसाद :** ध्रुवस्वामिनी
3	मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता नाटक : **मोहन राकेश :** आषाढ़ का एक दिन **धर्मवीर भारती :** अंधा युग
4	हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास एकांकी : **भारत भूषण अग्रवाल :** महाभारत की एक साँझ **भुवनेश्वर :** तांबे के कीड़े

अनुशंसित पुस्तकें:

- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- भारतेंदु और हिंदी भाषा की विकास परंपरा; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन; जगन्नाथ शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- मोहन राकेश और उनके नाटक; गिरीश रस्तोगी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2008.
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष; गिरीश रस्तोगी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2017.
- हिंदी नाटक; बच्चन सिंह; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- रंगदर्शन; नेमी चंद्र जैन; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम; राधा वल्लभ त्रिपाठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- रंगमंच और नाटक की भूमिका; डॉ लक्ष्मी नारायण लाल; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2011.
- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास; दशरथ ओझा; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2008.

पाठ्यक्रम : शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (अनिवार्य)*
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 22 DCEC 2114

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- शोध प्रविधि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान।
- शोध-पत्र के लेखन एवं प्रस्तुतीकरण संबंधी कौशल विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	शोध की अवधारणा एवं स्वरूप शोध की आवश्यकता एवं महत्त्व शोध और आलोचना शोध और समीक्षा शोध और मूल्य
2.	शोध के प्रकार एवं पद्धति साहित्य में शोध विषय चयन शोध प्रारूप एवं परिकल्पना शोध : संदर्भ एवं उद्धरण संदर्भ ग्रंथ सूची शोध और पुस्तकालय कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान

***इसमें दो क्रेडिट की सत्रांत परीक्षा होगी, जिसकी अवधि दो घंटे की होगी तथा शेष दो क्रेडिट हेतु विद्यार्थी द्वारा संगोष्ठी-पत्र का लेखन एवं प्रस्तुतीकरण होगा, जिसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षक द्वारा किया जाएगा.**

अनुशंसित पुस्तकें :

- शोध प्रविधि; हरिश्चंद्र वर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 2006.
- शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि; बैजनाथ सिंहल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- अनुसंधान प्रविधि; एस.एन. गणेशन; सिद्धांत और प्रक्रिया; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2021.
- हिंदी अनुसंधान; विजयपाल सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2007.
- शोध प्रविधि; विनय मोहन शर्मा; मयूर बुक्स, दिल्ली; 2018.

पाठ्यक्रम : कबीरदास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 09 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- कबीरदास के जीवन, साहित्य और दर्शन से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- कबीरदास के साहित्यिक अवदान की जानकारी।
- कबीरदास के साहित्यिक सरोकारों व मूल्यों का बोध।
- हिंदी आलोचना में कबीरदास के चिंतन से आलोचनात्मक समझ का विकास।
- पाठ अध्ययन से कबीरदास की काव्य-संवेदना, भाषा और रचना-प्रक्रिया का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	कबीर के युग का समाज; कबीर का जीवन एवं स्रोत सामग्री; कबीर का राजनीतिक परिवेश एवं समस्याएं हिंदी आलोचना में कबीर का स्थान; परवर्ती काव्य पर कबीर का प्रभाव
2.	निर्गुण काव्य परंपरा और कबीर; कबीर के काव्य में सगुण-निर्गुण का साम्य-वैषम्य; कबीर के राम; कबीर के काव्य में रहस्यात्मकता
3.	कबीर के काव्य में विद्रोह के स्वर; कबीर की भाषायी व्यापकता; कबीर के काव्य में प्रगतिशीलता
4.	कबीर- संपा. हजारी प्रसाद द्विवेदी (चयनित पद संख्या - 176-209)

अनुशंसित पुस्तकें :

- कबीर; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2021.
- कबीर ग्रंथावली; श्यामसुंदर दास; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- सांग्स ऑफ कबीर; इवेलिन अंडरहिल,न्यू यॉर्क, दा मैकमिलान कंपनी (अनुवाद- रवीन्द्रनाथ टैगोर); 2004.
- कबीर का रहस्यवाद; डॉ रामकुमार वर्मा; साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद; 2005.
- कबीर के कुछ और आलोचक; डॉ धर्मवीर; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2002.
- हिंदी साहित्य की भूमिका; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- श्री भक्तमाल (टीका कवित्त); प्रियादास; श्रीवयंकेटश्वर प्रेस, मुंबई; 2014.
- कबीर के आलोचक; डॉ. धर्मवीर; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2004.
- अकथ कहानी प्रेम की; पुरुषोत्तम अग्रवाल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- संत काव्य: परशुराम चतुर्वेदी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2019.
- हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय; पीतांबर दत्त बड़थ्वाल; अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ; संवत 2007.
- पांच भक्त कवि; मुरली मनोहर प्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2017.
- कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत; सरनाम सिंह शर्मा; कल्पना प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- कबीर का रहस्यवाद; डॉ. रामकुमार वर्मा; साहित्य भवन, इलाहाबाद; 2005.

- दूसरी परंपरा की खोज; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- कबीर वचनावली; अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- कबीर की परख; परशुराम चतुर्वेदी; लीडर प्रैस, इलाहाबाद; 2012.

पाठ्यक्रम : मलिक महुम्मद जायसी
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1310 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- मलिक मुहम्मद जायसी के जीवन, साहित्य और दर्शन से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- मलिक मुहम्मद जायसी के साहित्यिक अवदान की जानकारी।
- मलिक मुहम्मद जायसी के साहित्यिक सरोकारों व मूल्यों का बोध।
- मलिक मुहम्मद जायसी की काव्य चेतना का बोध।
- पाठ अध्ययन से जायसी की काव्य-संवेदना, भाषा और रचना-प्रक्रिया का बोध

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भक्ति के उदय की पृष्ठभूमि; भक्तिकाल और लोकजागरण; भक्तिकाल का वैचारिक आधार सूफी दर्शन एवं काव्य परम्परा
2	जायसी काव्य के स्रोत; जायसी काव्य का दार्शनिक आधार; जायसी की काव्यभाषा और प्रबंध योजना
3	पद्मावत की अंतर्वस्तु; पद्मावत में इतिहास और कल्पना; पद्मावत में प्रेमतत्त्व; पद्मावत का काव्य रूप
4	व्याख्या हेतु : पद्मावत (संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल; साहित्य सदन ,चिरगाँव झाँसी) नागमती सुआ खंड (पद सं. 83-91), पद्मावती वियोग खंड (पद सं. 168-173), पद्मावती सुआ भेंट खंड (पद सं. 174-182), बसंत खंड (पद सं. 183-197)

अनुशंसित पुस्तकें :

- पद्मावत; संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल; साहित्य सदन ,चिरगाँव, झाँसी; संवत 2018.
- सूफी मत; रामपूजन तिवारी; ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी; 2011.
- तसव्वुफ़ अथवा सूफी मत; चंद्रबली पाण्डेय; सरस्वती मंदिर, बनारस; 2008.
- पद्मावत; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2018.
- जायसी ग्रंथावली; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 2015.
- महाकवि जायसी और उनका काव्य अनुशीलन; अहमद इकबाल; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 1990.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज दिल्ली; 2019.
- भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य; शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2016.
- हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास; हजारीप्रसाद द्विवेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- चिंतामणि; आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य सरोवर, आगरा; 2012.
- त्रिवेणी; आचार्य रामचंद्र शुक्ल; सं. योगेन्द्रप्रताप सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2016.
- जायसी; विजयदेव नारायण साही; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य; मैनेजर पांडेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2001.
- परम्परा का मूल्यांकन: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.

पाठ्यक्रम : तुलसीदास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 11 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- तुलसीदास के जीवन, सृजनकर्म और उसके प्रभाव का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भक्तिकाल के परिवेश और पृष्ठभूमि का ज्ञान।
- रामकाव्य परंपरा और इसकी प्रासंगिकता संबंधी बोध का विकास।
- पाठ अध्ययन से तुलसीदास की काव्य-संवेदना, भाषा और रचना-प्रक्रिया का बोध।
- तुलसीदास की लोकव्याप्ति के विभिन्न आयामों और उपादानों का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भक्ति आंदोलन और तुलसीदास; वैष्णव भक्ति परंपरा और तुलसीदास; रामकाव्य की परंपरा; तुलसीदास का सौन्दर्यबोध; तुलसीदास की समन्वय भावना एवं मर्यादा भाव; तुलसीदास और लोकमंगल; तुलसीदास और आदर्श राज्य की अवधारणा; तुलसीदास के राम; तुलसीदास की काव्यभाषा और काव्य-योजना
2.	रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर): उत्तरकाण्ड (दोहा सं. 103-120) विनय पत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर): 26, 45, 76, 90, 111, 115, 155, 174
3.	कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर): बालकाण्ड : 1, 6, 17, 18; अयोध्याकाण्ड : 1, 11,14, 20, 23 ; सुन्दरकाण्ड: 1, 2, 6; लंकाकाण्ड: 9, 10, 56, 57; उत्तरकाण्ड: 61, 64, 70, 83, 88, 110
4.	गीतावली (गीता प्रेस, गोरखपुर): बालकाण्ड : 7, 8, 23, 33, 44, 95; अयोध्याकाण्ड : 23, 24, 28, 43; अरण्यकाण्ड: 9, 10, 12; सुन्दरकाण्ड: 10, 24, 45; लंकाकाण्ड: 13, 16; उत्तरकाण्ड: 24, 27, 31

अनुशंसित पुस्तकें :

- गोस्वामी तुलसीदास; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 2012.
- राम-कथा (उत्पत्ति और विकास); रेवरेंड फादर कामिल बुल्के; हिंदी साहित्य परिषद प्रकाशन; प्रयाग विश्वविद्यालय; 2019.
- लोकवादी तुलसीदास; विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकास; सुवीरा जायसवाल, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली; 2013.
- तुलसी के हिय हेरि; विष्णुकांत शास्त्री; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2011.
- तुलसीदास और उनका युग; राजपति दीक्षित; ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी; 2010.
- तुलसीदास-आधुनिक वातायन से; रमेश कुंतल मेघ, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी; 2007.
- रामकाव्यधारा : अनुसंधान एवं चिंतन; भगवती प्रसाद सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 1976.
- लोकजागरण और हिंदी साहित्य; (सं.) रामविलास शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली;2012.
- वैष्णव धर्म; परशुराम चतुर्वेदी; विवेक प्रकाशन, इलाहाबाद; 2017.
- भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास; रामविलास शर्मा; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2007.
- रामभक्ति में रसिक संप्रदाय; भगवती प्रसाद सिंह; अवध साहित्य मंदिर, बलरामपुर; 2019.

- तुलसीदास और उनका काव्य; रामनरेश त्रिपाठी; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2009.
- तुलसीदास; रामजी तिवारी; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2008.

पाठ्यक्रम : सूरदास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 12 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- सूरदास के जीवन, साहित्य और उनके दर्शन की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास के साहित्यिक अवदान का ज्ञान।
- सूरकाव्य के माध्यम से सूरदास की काव्य संवेदना, शिल्प एवं काव्यभाषा की जानकारी।
- पाठ अध्ययन से सूरदास के साहित्यिक सरोकारों एवं चिंतन का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	सूरदास का जीवन और सृजन; अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय; कृष्ण काव्य परंपरा में सूरदास; सूरदास की भक्ति भावना
2.	सूर काव्य में गीति तत्त्व; सूर काव्य में प्रेमतत्त्व; सूरदास का शृंगार वर्णन; सूरदास का वात्सल्य वर्णन; सूर काव्य में कृषि संस्कृति; सूरदास : परंपरा और आधुनिकता
3.	सूरदास की काव्य भाषा; भ्रमरगीत काव्य परम्परा और सूरदास; भ्रमरगीत सार में सगुण-निर्गुण; सूर काव्य में वाग्विदग्धता एवं लोक तत्त्व; सूर की कविता में स्त्री-विमर्श
4.	भ्रमरगीत सार: संपा. रामचंद्र शुक्ल (पद संख्या : 1, 8, 23, 24, 25, 28, 34, 42, 52, 59, 62, 64, 95, 101, 102, 103, 108, 111, 114, 136, 138, 172, 196, 210, 214, 241, 316, 400)

अनुशंसित पुस्तकें :

- सूरदास; मैनेजर पांडेय; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2001.
- सूर साहित्य; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- सूरदास; नंद दुलारे वाजपेयी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय; दीनदयालु गुप्त; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 2000.
- पाँच भक्तकवि; मुरली मनोहर प्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ; दिल्ली; 2017.
- भ्रमरगीत सार; सूरदास; संपा. रामचंद्र शुक्ल; श्री प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- सूरदास और भ्रमरगीत सार; डॉ. किशोरी लाल; अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद; 2017.
- सूरदास; रामचंद्र शुक्ल; नगरी प्रचारिणी सभा, काशी; 2012.
- सूर सारावली; संपा. प्रभुदयाल मीतल; अग्रवाल प्रेस, मथुरा; 2009.
- सूरदास : जीवन और काव्य का अध्ययन; ब्रजेश्वर वर्मा; हिंदी परिषद, विश्वविद्यालय, प्रयाग; 2010.
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य; मैनेजर पांडेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2001.
- प्राचीन कवि; विश्वंभर मानव; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2008.
- महाकवि सूरदास; नंददुलारे वाजपेयी; आत्माराम एंड संस, दिल्ली; 1952.
- सूरदास; ब्रजेश्वर वर्मा; लोकभ्रती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2017.

पाठ्यक्रम : मीरां
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1313 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- मीरां के जीवन, सृजनकर्म और उसके प्रभाव का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भक्तिकाल के परिवेश और पृष्ठभूमि का ज्ञान।
- भक्ति काव्य परंपरा में मीरां के अवदान की जानकारी।
- पाठ अध्ययन से मीरां की काव्य-संवेदना एवं भाव-भाषा का बोध।
- मीरां की लोकव्याप्ति के विभिन्न आयामों और उपादानों का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मीरां एवं हिंदी आलोचना मीरां के जीवन से संबंधित स्रोत सामग्री ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मीरां का जीवन
2.	सती-प्रथा एवं मीरां के युग का समाज चित्तौड़गढ़ में मीरां का राजनीतिक परिवेश मेड़तिया-हाड़ा संघर्ष एवं मीरां
3.	मीरां की भक्ति एवं सगुण-निर्गुण का प्रश्न मीरां के काव्य में विद्रोह चेतना एवं अन्य काव्यगत विशेषताएँ मीरां के काव्य में लोक तत्त्व, गीति तत्त्व एवं प्रेम तत्त्व
4.	मीरां का काव्य: स. विश्वनाथ त्रिपाठी (आरंभिक 26 पद)

अनुशंसित पुस्तकें :

- मीरांबाई का जीवन चरित्र; मुंशी देवी प्रसाद; बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता; 1954.
- मीरां स्मृति ग्रन्थ; बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता; 1951.
- मीरां का जीवन और काव्य (दो भाग); डॉ. सी. एल. प्रभात; राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर; 1999.
- वीर विनोद (भाग दो): श्यामलदास, मोतीलाल बनारसीदास; दिल्ली; 1985.
- उदयपुर राज्य का इतिहास; गौ. ही. ओझा; राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर; 1985.
- मीरां का काव्य; विश्वनाथ त्रिपाठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- पचरंग चोला पहर सखी री; माधव हाड़ा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- मीरां का जीवन :अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद; 2015.
- मीरां की भक्ति एवं राजनीति: अरविन्द सिंह तेजावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- मध्यकालीन बोध और साहित्य; हजारीप्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- पांच भक्त कवि; मुरली मनोहर प्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2017.
- फिर से मीरां; संपा. पल्लव; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2013.

पाठ्यक्रम : बिहारीदास
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1314 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- बिहारी के जीवन, सृजनकर्म और उसके प्रभाव का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- रीतिकाल के परिवेश और पृष्ठभूमि का बोध।
- सतसई परंपरा में बिहारी के महत्त्व का ज्ञान।
- पाठ अध्ययन से बिहारी की काव्य-संवेदना, भाषा और रचना-प्रक्रिया का बोध।
- बिहारी की काव्य कला और काव्य रूपों की जानकारी।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	रीतिकाल की पृष्ठभूमि; रीतिकाल का परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक ,सांस्कृतिक; रीतिकाव्य का काव्य शास्त्रीय आधार
2	बिहारी का काव्य परिचय; रीतिबद्ध काव्यधारा और बिहारी; सतसई काव्य परम्परा में बिहारी का स्थान; बिहारी की बहुज्ञता
3	बिहारी की काव्य में शृंगारिक्ता; बिहारी की काव्य कला; बिहारी की काव्य भाषा; बिहारी का काव्य रूप
4	बिहारी सतसई; (सं जगन्नाथ दास रत्नाकर) दोहा संख्या 1-50

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास; आचार्य रामचन्द्र शुक्ल; नागरी प्रचारणी सभा, काशी; 2008.
- रीतिकाव्य की भूमिका; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2012.
- हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास; हजारीप्रसाद द्विवेदी; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- बिहारी और उनका साहित्य; सं डॉ हरवंशलाल शर्मा एवं डॉ परमानंद शास्त्री; भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़; 1957.
- बिहारी का नया मूल्याकंन; डॉ बच्चन सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास; डॉ बच्चन सिंह; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- बिहारी वैभव; विजयपाल सिंह; हिंदी साहित्य सम्मलेन, इलाहाबाद; 1997.
- बिहारी की वाग्विभूति; विश्वनाथ प्रसाद सिंह; हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस; 2004.
- देव और बिहारी; कृष्ण बिहारी मिश्र; गंगा पुस्तकमाला, लंखनऊ; 1982.
- बिहारी का काव्य लालित्य; रमाशंकर तिवारी; ग्रंथम, रामबाग, कानपुर; 2000.
- हिंदी नवरत्न; मिश्र बंधु; हिंदी ग्रंथ प्रसारक मंडली, प्रयाग; 1967.
- हिंदी रीति परंपरा; भगीरथ मिश्र; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1989.

पाठ्यक्रम : घनानंद
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1315 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- घनानंद के जीवन, सृजनकर्म और उसके प्रभाव का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भक्तिकाल के परिवेश और पृष्ठभूमि का ज्ञान।
- रीति काव्य की परंपरा में घनानंद के महत्त्व का ज्ञान।
- पाठ अध्ययन से घनानंद की काव्य-संवेदना, भाषा और शिल्प का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	रीतिकाल की पृष्ठभूमि; रीतिकाव्य का काव्य शास्त्रीय आधार; घनानंद का जीवन और साहित्य; रीतिमुक्त काव्यधारा एवं घनानंद
2.	घनानंद के काव्य में प्रेम-व्यंजना; घनानंद के काव्य में छंद-विधान; घनानंद के काव्य में अलंकार योजना
3.	घनानंद के काव्य की भाषा एवं स्वच्छंद योजना; घनानंद के काव्य की अन्य शिल्पगत विशेषताएं
4.	घनानंद कवित्त: सं. विश्वनाथ मिश्र (आरंभिक तीस पद)

अनुशंसित पुस्तकें :

- घनानंद का शृंगार काव्य; रामदेव शुक्ल; अनन्य प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- सनेह को मारग; इमरै बंघा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचन्द्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2008.
- हिंदी साहित्य की भूमिका; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- हिंदी साहित्य का अतीत (दूसरा खंड); विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- हिंदी रीति साहित्य; भगीरथ मिश्र; राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली; 1989.
- घनानंद कवित्त; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी; संवत 2029.
- घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा; मनोहर लाल गौड़; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; संवत 2015.

पाठ्यक्रम : भारतेंदु हरिश्चंद्र
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 16 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- भारतेंदु के जीवन और साहित्यिक अवदान का परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य की निर्माण भूमि के बारे जानकारी।
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के साहित्यिक अवदान का ज्ञान।
- भारतेंदु के काव्य सरोकारों एवं मूल्यों का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतेंदु युग की सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियां; भारतेंदु हरिश्चंद्र का जीवन और साहित्य हिंदी नाटक परंपरा और भारतेंदु हरिश्चंद्र; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनका मंडल; भारतेंदु हरिश्चन्द्र की काव्य-भाषा और शिल्प; भारतेंदु युग में साम्राज्य-विरोधी चेतना तथा स्वदेश प्रेम का विकास; भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटकों की रंगमंचीयता; भारतेंदु हरिश्चंद्र और नवीन साहित्य चेतना
2.	**नाटक**: भारत दुर्दशा; नील देवी
3.	**निबंध** : दिल्ली दरबार दर्पण; हिंदी भाषा; भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?; स्वर्ग में विचार सभा
4.	**कविता** : प्रेम तरंग (सं. 1-5); होली (सं. 2, 7, 16, 41, 77); प्रबोधिनी, बंदर सभा (भारतेंदु ग्रंथावली, खंड-2; संपा. ब्रजरत्न दास)

अनुशंसित पुस्तकें :

- भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 1957.
- भारतेंदु का नाट्य साहित्य; डॉ वीरेंद्र कुमार; प्रकाशक-राम नारायन लाल, प्रयाग; 1955.
- भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन; गोपीनाथ तिवारी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1971.
- भारतेंदु के निबंध; डॉ केसी नारायण शुक्ला; सरस्वती मंदिर, बनारस; 1955.
- भारतेंदु साहित्य; डॉ. रामगोपाल सिंह चौहान; सर्वोदय साहित्य मंदिर, हैदराबाद; 1957.
- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन,दिल्ली; 1999.
- भारतेंदु हरिश्चंद्र; लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय; साहित्य भवन, इलाहाबाद; 1951.
- भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का जीवन-चरित्र; राधाकृष्ण दास; उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ; 1978.
- भारतेंदु ग्रंथावली, (सभी खंड); संपा. ब्रजरत्न दास; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 1920.

पाठ्यक्रम : बालमुकुंद गुप्त
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 17 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- बालमुकुन्द गुप्त के जीवन, सृजन एवं दर्शन की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- बालमुकुन्द गुप्त के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।
- बालमुकुंद गुप्त के हिंदी भाषा के निर्माण एवं साहित्यिक अवदान का परिचय।
- बालमुकुन्द गुप्त की पत्रकारिता एवं काव्य-सरोकारों का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	बालमुकुंद गुप्त : जीवन और सृजन; नवजागरण में बालमुकुंद गुप्त की भूमिका; बालमुकुंद गुप्त और उनके समकालीन; बालमुकुंद गुप्त की किसान चेतना; बालमुकुंद गुप्त और पत्रकारिता
2.	बालमुकुंद गुप्त की काव्यभाषा; निबंधकार बालमुकुंद गुप्त; बालसाहित्यकार बालमुकुंद गुप्त; बालमुकुंद गुप्त और भाषा के प्रश्न; बालमुकुंद गुप्त के साहित्य में व्यंग्य; अनस्थिरता विवाद
3.	**शिवशम्भु के चिट्ठे :** बनाम लार्ड कर्जन; श्रीमान का स्वागत; वैसराय का स्वागत; पीछे मत फेंकिये; आशा का अंत; एक दुराशा; विदाई संभाषण; बंग विच्छेद
4.	**कविताएँ :** सर सैय्यद का बुढ़ापा; वसंतोत्सव; भैंस का स्वर्ग; पंजाब में लायल्टी; पालिटिकल होली; बड़े लाट कर्ज़न; टेसू (आए-आए..., अबके टेसू...); सच्चाई

अनुशंसित पुस्तकें :

- बालमुकुंद गुप्त रचनावली (भाग-2,3,4); संपा. के.सी. यादव; हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, गुडगाँव; 2013.
- बालमुकुंद गुप्त : स्मारक ग्रंथ; झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतुर्वेदी; गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशक समिति, कलकत्ता; 1950.
- बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली; संपा. नत्थन सिंह; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 2008.
- बालमुकुंद गुप्त : संकलित निबंध; संपा. कृष्णदत्त पालीवाल; राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली; 2014.
- बालमुकुंद गुप्त विशेषांक; संपा. सुभाष चंद्र; देस हरियाणा, कुरुक्षेत्र; अंक-26
- बाबू बालमुकुंद गुप्त : जीवन और साहित्य; नत्थन सिंह; विनोद पुस्तक भंडार, आगरा; 1959.
- शिवशम्भु के चिट्ठे; बालमुकुंद गुप्त; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- गुप्तजी, गुड़ियानी और गुमनामी की पीर; सत्यवीर नाहड़िया; समदर्शी प्रकाशन, मेरठ; 2020.
- बालमुकुंद गुप्त के श्रेष्ठ निबंध; सत्यप्रकाश मिश्र; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2019.
- बालमुकुंद गुप्त : निबन्धों की दुनिया; संपा. रेखा सेठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- हिंदी की अनस्थिरता : एक ऐतिहासिक बहस; महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुंद गुप्त एवं अन्य; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1993.

पाठ्यक्रम : प्रेमचंद
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 18 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- प्रेमचंद के जीवन, सृजन एवं दर्शन से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान के बारे जानकारी।
- प्रेमचंद की पत्रकारिता एवं साहित्यिक सरोकारों का ज्ञान।
- पाठ अध्ययन से प्रेमचंद की साहित्यिक संवेदना और भाव-भाषा का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद का जीवन और सृजन; प्रेमचंद और राष्ट्रवाद; प्रेमचंद और पत्रकारिता; प्रेमचंद का उर्दू लेखन; प्रेमचंद : स्त्री एवं दलित प्रश्न; प्रेमचंद और किसान; प्रेमचंद का आदर्श और यथार्थ
2.	**उपन्यास :** रंगभूमि
3.	**कहानियां :** दुनिया का सबसे अनमोल रतन; पंच परमेश्वर; ठाकुर का कुआं; पूस की रात; बड़े भाई साहब; ईदगाह; कफ़न
4.	**निबंध :** साहित्य का उद्देश्य; महाजनी सभ्यता; कहानी कला-1,2,3; राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएँ

अनुशंसित पुस्तकें :

- प्रेमचंद : एक विवेचन; इंद्रनाथ मदान; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन; नंद दुलारे वाजपेयी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2003.
- प्रेमचंद : कहानी का रहनुमा; जाफ़र रज़ा; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2005.
- प्रेमचंद और उनका युग; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- प्रेमचंद और भारतीय किसान; रामबक्ष; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- प्रेमचंद : घर में; शिवरानी देवी; नयी किताब, दिल्ली; 2020.
- कलम का सिपाही; अमृत राय; क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस; 2009.
- कुछ विचार; प्रेमचंद; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2003.
- मान सरोवर (भाग 1-8); प्रेमचंद; प्रकाशन संस्थान, दिल्ली; 2018.
- प्रेमचंद की किसानी कहानियां; संपा. अमित मनोज; अद्वैत प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- सामंत का मुंशी; डॉ. धर्मवीर; वाणी प्रकाशन, दिल्ली;2005.
- प्रेमचंद की नीली आँखें; डॉ. धर्मवीर; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- प्रेमचंद : व्यक्ति और साहित्यकार; मन्मथनाथ गुप्त; सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद; 1961.
- प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व; हंसराज रहबर; विजय गोयल पब्लिशर, दिल्ली; 2009.
- प्रेमचंद; कमल किशोर गोयनका; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2013.
- यह प्रेमचंद है; अपूर्वानंद; सेतु प्रकाशन, नोएडा; 2021.
- प्रेमचंद; रामविलास शर्मा; सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद; 1952.

पाठ्यक्रम : रामचंद्र शुक्ल
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 19 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं उनके आलोचना कर्म की विस्तृत जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल के जीवन और साहित्य से परिचय।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताओं एवं उनके आलोचना कर्म का ज्ञान।
- आचार्य शुक्ल के इतिहासबोध की जानकारी।
- निबंधों के माध्यम से आलोचनात्मक समझ का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जीवन और साहित्य; रामचंद्र शुक्ल का कविता विषयक चिंतन; रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि; रामचंद्र शुक्ल का अनुवाद कर्म; हिंदी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल; परवर्ती आलोचकों की दृष्टि में शुक्ल
2.	रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि एवं भक्तिकाल; रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि; काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था एवं आनंद की सिद्धावस्था;
3.	रामचंद्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमान; रामचंद्र शुक्ल के आलोचना कर्म में तुलसी, सूर एवं जायसी; रामचंद्र शुक्ल के आलोचना कर्म में बिहारीदास एवं घनानंद
4.	निबंध : उत्साह; श्रद्धा भक्ति; ईर्ष्या; लज्जा और ग्लानि; कविता क्या है ? (चिंतामणि; भाग : एक; रामचंद्र शुक्ल)

अनुशंसित पुस्तकें :

- रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचंद्र शुक्ल; नागरी-प्रचारिणी सभा, काशी; 1929.
- त्रिवेणी; रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 2016.
- चिंतामणि (भाग 1,2,3); रामचंद्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 1939.
- हिंदी समीक्षा और आचार्य शुक्ल; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- हिंदी आलोचना; विश्वनाथ त्रिपाठी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी आलोचना का विकास; नंदकिशोर नवल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- गोस्वामी तुलसीदास; आचार्य रामचंद्र शुक्ल; प्रकाशन संस्थान, दिल्ली; 2012.
- सूरदास: आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2008.

- रामचंद्र शुक्ल; मलयज; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1987.
- हिंदी साहित्य; बीसवीं शताब्दी; नंद दुलारे वाजपेयी; इंडियन बुक डिपो; लखनऊ; 1945.
- हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार; रामचंद्र तिवारी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2005.

पाठ्यक्रम : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 20 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- निराला के जीवन और सृजनकर्म के विविध आयामों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- निराला के साहित्यिक सरोकारों का ज्ञान।
- निराला के काव्य-वैशिष्ट्य का बोध।
- निराला के काव्येतर सृजनकर्म की जानकारी।
- पाठ अध्ययन से निराला की साहित्य-संवेदना, भाषा, शिल्प और परवर्ती साहित्यकारों पर इसके प्रभावों का ज्ञान ।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	निराला का जीवन और सृजन; निराला के काव्य में जागरण का स्वर; मुक्त छंद और निराला; निराला के काव्य में प्रेम-तत्त्व; लंबी कविता की अवधारणा और निराला; निराला के काव्य में गीति-तत्त्व; निराला की काव्यभाषा; निराला की आलोचना-दृष्टि; निराला की कहानी कला; निराला की उपन्यास कला; निराला का अनुवादकर्म
2.	कविताएँ : सरोज-स्मृति, कुकुरमुत्ता, तुलसीदास, तोड़ती पत्थर, वनबेला
3.	उपन्यास : चोटी की पकड़
4.	निबंध : पंत और पल्लव, रवीन्द्र कविता कानन; परिमल की भूमिका

अनुशंसित पुस्तकें :

- छायावाद; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- निराला की साहित्य-साधना (भाग:1-3); रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1990.
- क्रांतिकारी कवि निराला; बच्चन सिंह; नंदकिशोर एंड संस, वाराणसी; 1947.
- निराला : आत्महंता आस्था; दूधनाथ सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2009.
- कवि निराला; नंददुलारे वाजपेयी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2015.
- निराला: कृति से साक्षात्कार; नंदकिशोर नवल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- निराला-काव्य की छवियाँ; नंदकिशोर नवल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- कथा शिल्पी निराला; बलदेव प्रसाद मेहरोत्रा; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 1984.
- निराला; परमानंद श्रीवास्तव; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2020.
- महाकवि निराला : काव्यकला और कृतियाँ, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा; 1961.
- निराला रचनावली (खंड 1-8); सूर्यकांत त्रिपाठी निराला; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- निराला संचयन; संपा. विवेक निराला; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- सम्पूर्ण कहानियां; सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.

पाठ्यक्रम : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1321 DCEC 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' के जीवन, सृजन एवं साहित्यिक अवदान की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' के साहित्य और दर्शन से परिचय।
- सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' के साहित्यिक सरोकारों व मूल्यों का बोध।
- सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' की रचनाओं के भावबोध और उनके वैशिष्ट्य का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' का जीवन और सृजन; अज्ञेय का काव्य चिंतन; प्रयोगवाद और अज्ञेय; 'तारसप्तक' की भूमिका का साहित्यिक अवदान; अज्ञेय की कविता में वस्तु और प्रयोग; अज्ञेय का कथा साहित्य; अज्ञेय का कथेतर गद्य साहित्य
2.	**उपन्यास :** अपने-अपने अजनबी
3.	**कहानियां :** गैंग्रीन; शरणार्थी; खितीन बाबू
4.	**कविताएँ :** कितनी नावों में कितनी बार; कांच के पीछे की मछलियाँ; हरी घास पर क्षण भर; भीतर जागा दाता; बावरा अहेरी

अनुशंसित पुस्तकें :

- तारसप्तक; सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 1943.
- आत्मनेपद; सचिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2003.
- लेखक का दायित्व; अज्ञेय; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 1959.
- अज्ञेय; भोलाभाई पटेल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएँ एवं जीवन परिचय; विद्यानिवास मिश्र; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2003.
- कवि अज्ञेय; नंदकिशोर नवल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां; नामवर सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2016.
- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या; रामस्वरूप चतुर्वेदी; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2000.
- नयी कविता और अस्तितत्ववाद; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- अज्ञेय और उनका कथा साहित्य; गोपाल राय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- आलोचक अज्ञेय की उपस्थिति; कृष्णदत्त पालीवाल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा; नंदकिशोर आचार्य; वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर; 2001.
- अज्ञेय का काव्य; प्रणय कृष्ण; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2015.

- अज्ञेय : प्रतिनिधि निबंध; संपा. कृष्णदत्त पालीवाल; नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली; 2011.
- अरे यायावर रहेगा याद !; अज्ञेय; राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद; 2016.
- अज्ञेय होने का अर्थ; कृष्णदत्त पालीवाल; वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद; 2012.
- अपने-अपने अज्ञेय; ओम थानवी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- आदम की डायरी; अज्ञेय; वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर; 2012.

चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम : हिंदी आलोचना
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 4 12 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी आलोचना के विकास और सिद्धांत-निर्माण से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- हिंदी आलोचना के क्रमबद्ध विकास का ज्ञान।
- साहित्य में आलोचना की प्रक्रिया और महत्ता का बोध।
- आलोचनात्मक प्रतिमानों के निर्माण की जानकारी।
- प्रमुख आलोचकों के आलोचनाकर्म का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	साहित्य और आलोचना; आधुनिकता और आलोचना; हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास; आलोचना की विविध पद्धतियाँ; आलोचना की रचना-प्रक्रिया; हिंदी के प्रमुख आलोचक
2.	मिश्र-बंधु, लाला भगवानदीन, पद्म सिंह शर्मा और महावीर प्रसाद द्विवेदी के आलोचना-कर्म का सामान्य परिचय; रामचन्द्र शुक्ल : लोकमंगल, रस-दृष्टि, इतिहास-दृष्टि
3.	नंददुलारे वाजपेयी : आलोचना के मानदंड, छायावाद संबंधी प्रमुख स्थापनाएँ हजारी प्रसाद द्विवेदी : आलोचना की दूसरी परंपरा, प्रमुख आलोचनात्मक प्रतिमान; नगेंद्र की आलोचना दृष्टि; रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि एवं आलोचना-कर्म
4.	प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, पंत, मुक्तिबोध और विजयदेव नारायण साही का आलोचना-कर्म; मैनेजर पांडेय का समाजशास्त्रीय चिंतन; समकालीन आलोचना की विविध पद्धतियाँ (स्त्रीवादी, दलितवादी, आदिवासी-चिंतन)

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी आलोचना; विश्वनाथ त्रिपाठी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1987.
- हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी; नंददुलारे वाजपेयी; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली; 1970.
- कबीर; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- पंत और पल्लव; सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'; गंगा-ग्रन्थागार, लखनऊ; 1966.
- काव्य और कला तथा अन्य निबंध; जयशंकर प्रसाद; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- इतिहास और आलोचना; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1978.
- एक साहित्यिक की डायरी; गजानन माधव मुक्तिबोध; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1980.
- दूसरी परंपरा की खोज; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1980.
- समकालीन हिंदी आलोचना; परमानन्द श्रीवास्तव; साहित्य अकादमी, दिल्ली; संस्करण : अंकित नहीं
- ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ; सुधा सिंह; ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली; 2008.

- छठवां दशक; विजयदेव नारायण साही; हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद; 1987.
- रस सिद्धांत; नगेंद्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2019.

पाठ्यक्रम : पाश्चत्य काव्यशास्त्र
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1413 C 4105

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- साहित्य के विषय में पाश्चात्य चिंतन पद्धति की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- पाश्चात्य ज्ञान की परंपराओं का बोध।
- साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों की महत्वपूर्ण अवधारणाओं की जानकारी।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	प्लेटो : काव्य सिद्धांत; अनुकरण सिद्धांत अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत; विरेचन और त्रासदी की अवधारणा
2	लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा; कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत; वर्डसवर्थ : काव्य की अवधारणा; काव्य भाषा का सिद्धांत
3	क्रोचे : अभिव्यंजनावाद; आई.ए.रिचर्डस : मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत; टी.एस. इलियट : परम्परा और निर्वैक्तिकता का सिद्धांत; मैथ्यू अर्नाल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
4	नयी समीक्षा; मार्क्सवाद; मनोविश्लेषणवाद; अभिव्यंजनावाद; बिम्ब, प्रतीक, फैंटेसी, कल्पना

अनुशंसित पुस्तकें :

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र; डॉ देवेन्द्रनाथ शर्मा; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 2018.
- साहित्य सिद्धांत; डॉ रामअवध द्विवेदी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना; 1963.
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन; प्रो निर्मला जैन तथा डॉ कुसुम बांठिया; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 1990.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा; डॉ नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा; दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 1972.
- नयी समीक्षा : नये संदर्भ; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1974.
- नयी समीक्षा के प्रतिमान; प्रो निर्मला जैन (संपा); नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1977.
- आलोचना से आगे; सुधीश पचौरी; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र; विजय बहादुर सिंह; प्रकाशन संसथान, दिल्ली; 2011.
- विश्व साहित्य शास्त्र; डॉ. नगेंद्र; किताबघर प्रकाशन, दिल्ली; 1996.
- हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली; अमरनाथ; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- पाश्चात्य समीक्षा दर्शन; जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी; 1969.
- नयी समीक्षा; अमृत राय; हिंदुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस; 1950.
- हिंदी आलोचना के नए सरोकार; कृष्णदत्त पालीवाल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2002.

पाठ्यक्रम : लघु शोध-प्रबंध*
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 4 01 SEEC 014014

*इसमें प्रत्येक विद्यार्थी को निर्धारित निर्देशक से विचार-विनिमय करके एक लघु शोध-प्रबंध लिखना होगा.

सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (GEC)

प्रथम सेमेस्टर में प्रस्तावित

पाठ्यक्रम : हिंदी भाषा एवं व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 01 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- भाषा एवं व्याकरण की मूल प्रकृति की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- भाषा और व्याकरण के विविध घटकों का परिचय।
- शब्द, पद और वाक्य की रचना का बोध।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं; भाषा के विविध रूप; भाषा की उत्पत्ति; भाषा की संरचना भाषा और व्याकरण; व्याकरण का महत्व; ध्वनि और वर्ण हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएँ)
2	शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना और स्रोत के आधार पर) शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)
3	शब्द और पद में अंतर विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) अविकारी शब्द (अव्यय)
4	वाक्य की परिभाषा और उसके अंग वाक्य के भेद (रचना और अर्थ के आधार पर) वाक्य की संरचना

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी : उद्भव, विकास और रूप; डॉ हरदेव बाहरी; किताब महल इलाहाबाद; 1969.
- व्याकरणिक कोटियों का विश्लेणात्मक अध्ययन; डॉ दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रन्थ अकादमी; 1975.
- भाषाविज्ञान की भूमिका; डॉ देवेन्द्रनाथ शर्मा; राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली; 2015.
- हिंदी भाषा; डॉ भोलानाथ तिवारी; किताब महल, इलाहाबाद; 2004.
- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास; उदय नारायण तिवारी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2016.
- हिंदी व्याकरण; कामता प्रसाद गुप्त; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; 1927.
- प्रामाणिक व्याकरण एवं रचना; विजयपाल सिंह; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; 2008.
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण तथा रचना; हरदेव बाहरी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 1972.
- हिंदी-उर्दू : साझा संस्कृति; संपा. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान एवं अन्य; नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली; 2011.

पाठ्यक्रम : हरियाणा का साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 02 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य की जानकारी मिलेगी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- हरियाणा के नामकरण, इतिहास एवं प्राचीनता का ज्ञान होगा।
- हरियाणा के साहित्यिक अवदान की जानकारी प्राप्त होगी।
- पाठ बोध के माध्यम से साहित्यिक मूल्यों एवं सरोकारों का बोध होगा।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हरियाणा का नामकरण एवं इतिहास; हरियाणा की साहित्यिक परंपरा का उद्भव; हरियाणा के सूफी कवि; हरियाणा के संत कवि; हरियाणा का आरंभिक गद्य साहित्य, हरियाणा की पत्र-पत्रिकाएँ; हरियाणा के समकालीन साहित्यकार
2.	हरियाणा की भाषा और बोलियाँ; हरियाणा के लोककवि; हरियाणा के लोकनाट्यकार; हरियाणा के लोकगीत; हरियाणा की रागनी
3.	**सूरदास :** भ्रमरगीत सार: संपा. रामचंद्र शुक्ल (पद संख्या : 23, 42, 64, 95, 114, 138, 210, 316) **गरीबदास :** गरीबदास जी की बानी : चेतावनी का अंग (1, 34, 36, 55, 84) **नितानंद :** सत्य सिद्धांत प्रकाश : विरह का अंग (1, 6, 27, 29, 34, 36, 42, 46, 52, 80, 81, 94, 109, 112, 113, 114, 143, 145, 164, 187) **अल्ताफ़ हुसैन हाली :** चुप की दाद
4.	**स्वांग : पं. लखमीचंद :** शाही लकड़हारा **कहानियां : माधव प्रसाद मिश्र :** विश्वास का फल; **विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' :** ताई; **स्वदेश दीपक :** किसी अप्रिय घटना का समाचार नहीं **निबंध : बालमुकुंद गुप्त :** श्रीमान का स्वागत; **राजकिशन नैन :** लो आई देखो रितु बसंत

अनुशंसित पुस्तकें :

- निबन्धों की दुनिया : बालमुकुंद गुप्त; संपा. रेखा सेठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- गरीबदास; संपा. लालचंद गुप्त 'मंगल'; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2014.
- हरियाणा के संतकवि नितानंद; संपा. डॉ. रामकुमार भरद्वाज एवं अनिता भारद्वाज; हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़; 1987.
- पं. माधव प्रसाद मिश्र ग्रंथावली; संपा. जयनाथ नलिन; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 2009.
- पं. लखमीचंद ग्रंथावली; संपा. पूर्णचंद शर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 2013.
- पं. मांगेराम ग्रंथावली; संपा. पूर्णचंद शर्मा; हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला; 2013.
- हरियाणा प्रदेश के लोकगीतों का सामाजिक पक्ष; जगदीश नारायण एवं भोलानाथ शर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़; 1989.

- बालमुकुंद गुप्त रचनावली (भाग-2,3,4); संपा. के.सी. यादव; हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, गुडगाँव; 2013.
- बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली; संपा. नत्थन सिंह; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 1993.
- लोक में ऋतु; राजकिशन नैन; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2012.
- हरियाणा का संत साहित्य; डॉ. सूरजभान; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 1986.
- हरियाणवी लोकधारा : प्रतिनिधि रागनियाँ; संपा. सुभाष चंद्र; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2012.
- हरियाना प्रदेश का लोकसाहित्य; डॉ. शंकर लाल यादव; हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद; 2000.
- हरियाणा के लोकगीत; संपा. साधुराम शारदा; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 1970.
- हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन; संपा. साधुराम शारदा; भाषा विभाग, हरियाणा, चंडीगढ़; 1978.
- छापकटैया; राजेंद्र बड़गूजर; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 2019.
- सत्य सिद्धांत प्रकाश; नितानंद; जटेला धाम, माजरा-दूबलधन, झज्जर (हरि.); 2015.
- लोकगीतों का बुगचा; संपा. निर्मल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- गरीबदास जी की बानी; बेलविडियर प्रिंटिंग वर्क्स, इलाहाबाद; 1969.
- बाबा शेख फरीद रत्नावली; संपा. जसविन्द्र कौर बिंद्रा; ग्रंथ अकादमी, दिल्ली; 2013.
- हरियाणा का हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास; शिवप्रसाद गोयल; नटराज पब्लिशिंग हाउस, करनाल (हरि.); 1984.
- हरियाणा की समकालीन हिंदी कहानी; ज्ञानप्रकाश विवेक; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 2014.

पाठ्यक्रम : अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 03 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- अनुवाद और साहित्य के सिद्धांतों की जानकारी।
- विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद के महत्त्व ज्ञान।
- अनुवाद की प्रक्रिया और उसके प्रयोग का बोध।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप; अनुवाद की संकल्पना; अनुवाद के प्रकार और क्षेत्र; अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया
2.	अनुवाद: सिद्धांत और इतिहास; साहित्य और अनुवाद का अंत: संबंध; जनसंचार माध्यम और अनुवाद; अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष
3.	तत्काल भाषांतरण और अनुवाद; हिंदी के विविध क्षेत्र और व्यवहारिक अनुवाद; संचार माध्यम और अनुवाद (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का संदर्भ)
4.	सामाजिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में अनुवाद; साहित्यिक अनुवाद; वैज्ञानिक अनुवाद; तकनीकि अनुवाद; राजभाषा और अनुवाद

अनुशंसित पुस्तकें :

- हिंदी अनुवाद परंपरा- एक अनुशीलन; कलवार, किशोरीलाल, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा: कुमार सुरेश; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- अनुवाद के भाषिक पक्ष; विभा गुप्ता; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- हिंदी व्याकरण; कामताप्रसाद गुरु; प्रकाशन संस्थान, दिल्ली; 2009.
- अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रविधि; भोलानाथ तिवारी; किताबघर प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- व्यवहारिक अनुवाद कला; रमेश चंद्र; नीलकंठ प्रकाशन, दिल्ली; 1998.
- अनुवाद साधना; पूरनचंद टंडन; अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार; जयंती प्रसाद नौटियाल; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- अनुवाद शिल्प : समकालीन संदर्भ; कुसुम अग्रवाल; साहित्य सलाहकार, दिल्ली; 1999.

पाठ्यक्रम : सृजनात्मक लेखन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 1 04 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- सृजनात्मक लेखन के सिद्धांत एवं व्यवहार से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- सृजनात्मक लेखन की बुनियादी अवधारणाओं का ज्ञान।
- सृजनात्मक लेखन के कौशल का विकास।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का ज्ञान।
- सृजनात्मक भाषा का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	सृजनात्मक लेखन की अवधारणा और स्वरूप; भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया; विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र: साहित्य, सिनेमा, विज्ञापन, पत्रकारिता एवं अन्य गद्य अभिव्यक्तियाँ; जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति; लेखन के विविध रूप
2.	अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि; भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक; रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति' प्रतीक, बिंब, अलंकरण, वक्रताएं, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
3.	विविध विधाओं का व्यावहारिक अध्ययन; कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक; कथा साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश और विमर्श; नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश और रंग-कर्म; विविध गद्य विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य; बाल साहित्य की आधारभूत संरचना
4.	सूचना-तंत्र के लिए लेखन; प्रिंट माध्यम : फीचर- लेखन, यात्रा-वृत्तान्त, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा; इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन और टेलीविजन पटकथा लेखन

अनुशंसित पुस्तकें :

- रचनात्मक लेखन; (सं.) रमेश गौतम; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2008.
- कहानी की रचना प्रक्रिया; परमानंद श्रीवास्तव; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2012.
- उपन्यास की संरचना; गोपाल राय; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- कविता-रचना-प्रक्रिया; कुमार विमल; बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना; 2018.
- पटकथा लेखन : एक परिचय; मनोहर श्याम जोशी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- मीडिया लेखन के सिद्धांत; एन.सी. पंत; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 2005.
- रेडियो लेखन; मधुकर गंगाधर; बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना; 2016.
- समाचार, फीचर-लेखन एवं संपादन कला; हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 1999.
- पत्रकारिता हेतु लेखन; डॉ. निशांत; अर्चना प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- अलंकार धारणा : विकास और विश्लेषण; बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना; 1964.

- हिंदी साहित्य का छंदोविवेचन; गौरीशंकर मिश्र 'द्विजेन्द्र'; बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना; 2016.
- सृजन का रसायन; शिवमूर्ति; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.

तृतीय सेमेस्टर में प्रस्तावित

पाठ्यक्रम : सिनेमा अध्ययन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 05 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- सिनेमा के स्वरूप एवं उसके महत्त्व की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- सिनेमा एवं कला के अंतर्संबंधों का ज्ञान।
- समाज निर्माण में सिनेमा की भूमिका से परिचय ।
- सिनेमा से संबंधित प्रमुख संस्थाओं एवं निर्माण के केंद्रों की जानकारी ।
- फिल्मों के अध्ययन से आलोचनात्मक समझ का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	सिनेमा का उद्भव एवं विकास; सिनेमा उद्योग एवं कला का संबंध; सिनेमा के प्रकार; सिनेमा से संबंधित प्रमुख संस्थाएं और निर्माण के केंद्र
2.	सिनेमा और समाज; सिनेमा और साहित्य का संबंध; सांस्कृतिक विमर्श एवं सिनेमा; राष्ट्रीयता और सिनेमा; वृतचित्र एवं सिनेमा का बदलता स्वरूप
3.	आरंभिक हिंदी सिनेमा का स्वरूप; हिंदी सिनेमा का रूमानी दौर; हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिदृश्य; हिंदी सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा; हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम;
4.	फिल्म : मुग़ल-ए-आज़म (1960); एक रुका हुआ फैसला (1986); शेरनी (2021)

अनुशंसित पुस्तकें :

- लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ; जवरीमल्ल पारख; अनामिका प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- सिनेमा: कल ,आज ,कल; विनोद भारद्वाज; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- सिनेमा और साहित्य; हरीश कुमार; संजय प्रकाशन, दिल्ली; 1998.
- भारतीय सिने सिद्धांत: अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2009.
- सिनेमा के विविध संदर्भ; डॉ. सुरभि विप्लव; अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- हिंदी सिनेमा : आदि से अनंत; प्रह्लाद अग्रवाल; साहित्य भंडार, इलाहाबाद; 2014.
- सिनेमा: समकालीन सिनेमा; अजय ब्रह्मात्मज; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- भारतीय सिनेमा का संफरनामा; पुनीत बिसारिया-राजनारायण शुक्ल; अटलांटिक प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- वर्ल्ड सिनेमा(हिस्ट्री); सं. ज्योफ्री नोवेल स्मिथ; ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; 1997.
- लेखक का सिनेमा; कुंवर नारायण; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- दास्तान-ए-मुग़ल-ए-आज़म; राजकुमार केसवानी; मंजुल पब्लिशिंग हाउस; 2020.
- सिनेमा और सितारों का मायाजाल; जय प्रकाश चौकसे; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली; 2018.

- हिंदी सिनेमा की यात्रा; संपा. पंकज शर्मा; अनन्य प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- बाज़ार के बाजीगर; प्रह्लाद अग्रवाल; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2007.

पाठ्यक्रम : प्रयोजनमूलक हिंदी
पाठ्यक्रम कोड : HND 13O6 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और स्वरूप से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- हिंदी के विविध रूपों का व्यवहारिक मूल्यांकन।
- हिंदी भाषा में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की रचना प्रक्रिया की जानकारी।
- कंप्यूटर की संरचना और उसके घटकों का बोध।
- अनुवाद की प्रविधि और प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और उसका स्वरूप; हिंदी के विविध रूप : राजभाषा, सम्पर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, माध्यम भाषा; राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, टिप्पण, पत्र लेखन
2	मीडिया का स्वरूप: प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया; प्रिंट मीडिया में लेखन : फीचर, समाचार, विज्ञापन और मीडिया की भाषा; इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : समाचार निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण; विज्ञापन का स्वरूप और संरचना; विज्ञापन की भाषा
3	कंप्यूटर : परिचय और महत्व, कंप्यूटर के विभिन्न घटक; कंप्यूटर की संरचना : हार्डवेयर और सॉफ्टवेर की भूमिका; इन्टरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
4	अनुवाद: प्रविधि और प्रक्रिया; भाषिक अनुवाद; अनुवाद प्रक्रिया के चरण; कार्यालयी हिंदी और अनुवाद; साहित्यिक अनुवाद; वाणिज्य क्षेत्र में अनुवाद; शब्दावली और अनुवाद; विधि शब्दावली का अनुवाद

अनुशंसित पुस्तकें :

- राजभाषा हिंदी; कैलाशचंद्र भाटिया; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1994.
- प्रयोजनमूलक हिंदी; दंगल झालटे; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2010.
- आधुनिक विज्ञापन; प्रेमचंद पातंजलि; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- विज्ञापन डॉट कॉम; रेखा सेठी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- कंप्यूटर और हिंदी; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; 2017.

पाठ्यक्रम : साहित्य का अंतर-अनुशासनिक अध्ययन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 07 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- साहित्य का अन्य अनुशासनों से अंतर्संबंध का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- साहित्य के बुनियादी सरोकारों का ज्ञान।
- साहित्य का अन्य अनुशासनों के साथ संबंधों की जानकारी।
- जीवन-मूल्य और चिंतन के अनेक उपादानों का ज्ञान।
- विभिन्न अनुशासनों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	साहित्य की अंतर-अनुशासनिकता की अवधारणा; साहित्य की परिभाषा; साहित्य का उद्देश्य; साहित्य और जीवन-मूल्य; साहित्य का कला-रूप
2.	साहित्य और कला; साहित्य और संस्कृति; साहित्य और संगीत; साहित्य और मूर्तिकला; साहित्य और चित्रकला; साहित्य और नृत्यकला; साहित्य और सिनेमा
3.	साहित्य और दर्शनशास्त्र; पाश्चात्य दर्शन का साहित्य से संबंध; साहित्य और समाज विज्ञान; साहित्य और समाजशास्त्र का संबंध; साहित्य और राजनीति का संबंध; साहित्य और विधि का संबंध; साहित्य और इतिहास का संबंध; साहित्य और अर्थशास्त्र का संबंध
4.	साहित्य और विज्ञान; मानव-विज्ञान और साहित्य का संबंध; साहित्य और पर्यावरण का संबंध; साहित्य और चिकित्साशास्त्र का संबंध; साहित्य और मनोविज्ञान का संबंध; साहित्य का अन्य विज्ञानपरक अनुशासनों से संबंध

अनुशंसित पुस्तकें :

- भारतीय विज्ञान की कहानी; गुणाकर मुले; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2003.
- भारतीय संगीत की कहानी; भगवतशरण उपाध्याय; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2016.
- भारत की मूर्तिकला की कहानी; भगवतशरण उपाध्याय; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2013.
- भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास, वाचस्पति गैरोला; लोकभारती प्रकाशन; इलाहाबाद; 2009.
- भारत के शास्त्रीय नृत्य; लीला वेंकटरमन (अनु.-प्रयाग शुक्ल); नियोगी बुक्स, दिल्ली; 2019.
- भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश; रामविलास शर्मा; किताबघर प्रकाशन; दिल्ली; 1999.
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका; मैनेजर पाण्डेय; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 1989.
- साहित्य और इतिहास-दृष्टि; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- कथा-पटकथा; मन्नू भंडारी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- धुनों की यात्रा; पंकज राग; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2006.
- दर्शन, साहित्य और समाज; शिवकुमार मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2000.
- चित्रकला और समाज; भाऊ समर्थ; सेतु प्रकाशन, नोएडा; 2020.

पाठ्यक्रम : अस्मितामूलक साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 08 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- अस्मितामूलक साहित्य की अवधारणा और उसके स्वरूप से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- अस्मितामूलक साहित्य के बुनियादी सरोकारों का ज्ञान।
- अस्मितामूलक साहित्य में मुक्ति के स्वरों की पहचान।
- अस्मितामूलक साहित्य की समझ का विकास।
- पाठ बोध के माध्यम से भाषा, भाव और रचना प्रक्रिया की जानकारी।

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अस्मिता की अवधारणा; स्मृति, इतिहास और अस्मिता; अस्मिता और सत्ता; धर्म और अस्मिता; अस्मिता और राष्ट्र; भूमंडलीकरण और अस्मिता
2.	अस्मितामूलक आंदोलन; मुक्ति की आकांक्षा और स्वर; सहानुभूति बनाम स्वानुभूति; आदिवासी अस्मिता और साहित्य; व्यक्ति अस्मिता और सामूहिक अस्मिता; स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य
3.	**आत्मकथा : ओमप्रकाश वाल्मीकि** : जूठन **निबंध : महादेवी वर्मा** : युद्ध और नारी, नारीत्व का अभिशाप (शृंखला की कड़ियाँ)
4.	**कविताएँ : मलखान सिंह** : सफ़ेद हाथी; एक पूरी उम्र **: वंदना टेटे** : सबसे सुंदर स्त्री हो जाती है, पत्थलगड़ी की औरतें **: निर्मला पुतुल** : गजरा बेचने वाली स्त्री; आदिवासी स्त्रियाँ; बाहामुनी

अनुशंसित पुस्तकें :

- आधुनिकता के आईने में दलित; अभय कुमार दुबे; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2002.
- अस्मितामूलक साहित्य का सौंदर्य दर्शन; कर्मानंद आर्य; द मार्जिन्लाइज्ड पब्लिकेशन और बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय; 2018.
- स्त्री उपेक्षिता; सिमोन द बुआ; हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली; 1999.
- आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी; रमणिका गुप्ता; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- दलित कविता का संघर्ष; कंवल भारती; स्वराज प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- दलित दृष्टि; गेल ओमवेट; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- पुरुष तन में फंसा मेरा नारी मन; मानोबी बंद्योपाध्याय; राजपाल एंड संस, दिल्ली; 2018.
- बेघर सपने; निर्मला पुतुल; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2014.
- दलित साहित्य का समाजशास्त्र; हरिनारायण ठाकुर; भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली; 2010.
- हिंदी दलित साहित्य; मोहनदास नैमिशराय; साहित्य अकादमी, दिल्ली; 2014.

- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र; ओमप्रकाश वाल्मीकि; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- शृंखला की कड़ियाँ; महादेवी वर्मा; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2004.
- आदिवासी अस्मिता : प्रभुत्व और प्रतिरोध; संपा. अनुज लुगुन; अनन्य प्रकाशन, दिल्ली; 2015.

पाठ्यक्रम : साहित्य का समाजशास्त्र
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1 3 09 GE 3104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- साहित्य और समाज के अंतर्संबंधों और सरोकारों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

- साहित्य और समाज के संबंधों की मीमांसा।
- साहित्य के समाजशास्त्र की विभिन्न पद्धतियों की प्रविधि का बोध।
- साहित्यिक रचनाओं के समाजशास्त्रीय पाठ की प्रस्तुति का ज्ञान।
- साहित्य का समाजशास्त्रीय दृष्टि से विश्लेषण करने की समझ का विकास।

इकाई	पाठ्यक्रम
1	साहित्य और समाज का अंतर्संबंध; साहित्य के समाजशास्त्र का इतिहास; साहित्य के समाजशास्त्र की रूपरेखा
2	साहित्य के समाजशास्त्र की पद्धतियाँ : मार्क्सवादी पद्धति, समाजशास्त्रीय पद्धति, संरचनावादी पद्धति
3	साहित्यिक रूपों की अवधारणा; वस्तु और रूप का अंतर्संबंध; उपन्यास का समाजशास्त्र; कविता का समाजशास्त्र
4	'आत्महत्या के विरुद्ध' कविता का समाजशास्त्रीय अध्ययन; 'गोदान' उपन्यास का समाजशास्त्रीय अध्ययन 'जूठन' आत्मकथा का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अनुशंसित पुस्तकें :

- साहित्य का समाजशास्त्र; डॉ नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1982.
- साहित्य का परिवेश; अज्ञेय; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1985.
- साहित्य : समाजशास्त्रीय संदर्भ; सं. विश्वम्भरदयाल गुप्ता; सीता प्रकाशन, हाथरस; 1987.
- साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया; अज्ञेय; संपा. कृष्णदत्त पालीवाल; सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली; 2010.
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका; मैनेजर पांडेय; आधार प्रकाशन,पंचकूला; 1989.
- साहित्य और इतिहास दृष्टि; मैनेजर पांडेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- विभ्रम और यथार्थ, क्रिस्टोफर कॉडवेल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1998.
- साहित्य के सिद्धांत; रेने वेलेक, आस्टिन वारेन; बीएस. पालीवाल; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2012.

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

- व्याख्यान
- प्रश्नोत्तर
- अभ्यास
- सहभागितामूलक अधिगम
- अनुप्रेरक सत्र
- विचार-सत्र
- संगोष्ठी
- अनुसंधान आधारित पाठचर्या एवं लघु शोध प्रबंध
- तकनीकी आधारित अधिगम

मिश्रित अधिगम

संकल्पना : मिश्रित अधिगम एक शैक्षणिक दृष्टिकोण है जो शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया में कंप्यूटर-आधारित गतिविधियों के साथ अभिमुख कक्षा की पद्धतियों को समेकित करता है। इसका आधार अधिगम-प्रक्रियाओं को अधिक रोचक और आकर्षक बनाने के लिए अभिमुख और ऑनलाइन गतिविधियों का सुन्दर समावेश है। यह परम्परागत शिक्षण पद्धति और आईसीटी केन्द्रित गतिविधियों का समायोजन करता है। यह छात्र-केंद्रित अधिगम के परिवेश पर बल देता है जहां शिक्षक उत्पादक और उल्लेखनीय अधिगम निष्कर्षों का सूत्रधार है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से वीडियो लेक्चर, पॉडकास्ट, रिकॉर्डिंग और लेखों जैसे ओपन-एक्सेस स्रोतों की विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने और खोजने के लिए छात्रों और शिक्षकों को पर्याप्त स्वतंत्रता और लचीलापन देते हुए, अभिमुख-अधिगम का अनुकूलन और सहयोग करता है। यह शिक्षकों को अभिमुख-अधिगम के उपयुक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म, संसाधनों और समयावधि के चयन में स्वतंत्रता और स्वायत्तता देता है। मिश्रित अधिगम शिक्षक की भूमिका को कम नहीं करता है, बल्कि यह उसे पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार परम्परा से हटकर खोज करने का अवसर देती है।

मिश्रित अधिगम के मुख्य बिंदु

- छात्र-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण समय, सामग्री की गुणवत्ता, छात्रों की जरूरतों और रुचियों में लचीलेपन और उनकी पसंद के माध्यम से अध्ययन करने की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करता है
- विभिन्न माध्यमों और तकनीकों को चुनने की स्वतंत्रता
- अधिगम में छात्रों की व्यस्तता में वृद्धि
- शिक्षक और छात्र के मध्य संवाद में वृद्धि
- छात्र अधिगम-निष्कर्ष में सुधार
- शिक्षण-अधिगम परिवेश में अत्याधिक लचीलापन
- स्वयं और निरंतर सीखने के लिए अधिक क्रियाशील
- प्रयोगात्मक अधिगम हेतु बेहतर अवसर
- अधिगम कौशल में अभिवृद्धि
- सूचना तक अधिक पहुंच, बेहतर संतुष्टि और अधिगम-निष्कर्ष।

आकलन एवं मूल्यांकन

- प्रत्येक पाठ्यक्रम-स्तरीय अधिगम-निष्कर्ष की उपलब्धि के बाद नियमित रूप से निरंतर व्यापक मूल्यांकन
- एकमुश्त मूल्यांकन के बजाय पूरे कार्यक्रम में शिक्षार्थी की गतिविधियों के आधार पर रचनात्मक मूल्यांकन
- प्रस्तुति और संचार कौशल का परीक्षण करने के लिए मौखिक परीक्षा
- अर्जित ज्ञान की बेहतर समझ और अनुप्रयोग के लिए खुली किताब परीक्षा
- समस्या समाधान अभ्यास पर समूह परीक्षा
- संगोष्ठी प्रस्तुतियाँ
- उपलब्ध सामग्री की समीक्षा
- सहयोगात्मक कार्य

प्रमुख बिंदु

- मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का वृहद् समवाय
- प्रत्येक पाठ्यक्रम से सुनिश्चित लक्ष्य की प्राप्ति
- विश्व साहित्य और आधुनिक भारतीय साहित्य का समावेश
- पत्रकारिता, जनसंचार और अनुवाद के कौशल संबंधी प्रश्न पत्र
- अंतर-अनुशासनिक विषय-वस्तु की उपलब्धता
- स्थानीय साहित्य के साथ-साथ हिंदी व्याकरण के अध्ययन की सुविधा
- अनुसंधान और विशेषज्ञता केन्द्रित

प्रमुख शब्द

- LOCF/एलओसीएफ
- NEP-2020/नयी शिक्षा नीति-2020
- Blended Learning/ मिश्रित अधिगम
- Face to face (F to F) Learning/ प्रत्यक्ष अधिगम
- Programme Outcomes/ कार्यक्रम के निष्कर्ष
- Programme Specific Outcomes/ कार्यक्रम के विशेषीकृत निष्कर्ष
- Course-level Learning Outcomes/ पाठ्यक्रम-स्तरीय अधिगम निष्कर्ष
- Postgraduate Attributes/स्नातकोत्तर की महत्ता/ विशेषता
- Learning Outcome Index/अधिगम निष्कर्ष सूचकांक
- Formative Assessment and Evaluation/ एकमुश्त आकलन एवं मूल्यांकन
- Comprehensive and Continuous Evaluation/ सतत आकलन एवं मूल्यांकन

संदर्भ

- नयी शिक्षा नीति-2020

  https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf .

- यूजीसी की वेबसाईट पर उपलब्ध विषय आधारित एलओसीएफ प्रारूप का नमूना

  https://www.ugc.ac.in/ugc_notices.aspx?id=MjY5OQ==

- यूजीसी की वेबसाईट पर उपलब्ध शिक्षण एवं अधिगम का मिश्रित माध्यम विषयक संकल्पना प्रपत्र

  https://www.ugc.ac.in/pdfnews/6100340_Concept-Note-Blended-Mode-of-Teaching-and-Learning.pdf

अनुलग्नक

पाठ्यक्रम सुधार- राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के मुख्य बिंदु

I. **राष्टीय शिक्षा नीति : उच्च शिक्षा का दृष्टिकोण**

- ❖ एक प्रबुद्ध, सामाजचेता-, ज्ञानवान और कुशल राष्ट्र के विकास को संभव बनाना
- ❖ ज्ञान सृजन और नवाचार का आधार जिससे एक बढ़ती हुई राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान होता है।
- ❖ अधिक जीवंत, सामाज-सम्बद्ध, सहकारी समुदायों और एक खुशहाल, एकजुट, सुसंस्कृत, उत्पादक, अभिनव, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र की कुंजी।
- ❖ सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान करना
- ❖ 21वीं सदी के प्रमुख कौशलसे युक्त, परिपूर्ण, विचारशील, रचनात्मक और समुचित योग्य व्यक्तियों का निर्माण करना

II. **नयी शिक्षा नीति: एकीकृत दृष्टिकोण पर बल**

- ❖ पेशेवर और व्यावसायिक शिक्षा सहित एक एकीकृत उच्च शिक्षा प्रणाली;
- ❖ उच्च गुणवत्ता वाली बहु विषयक और-अंतर-अनुशासनिक शिक्षा को सक्षम और प्रोत्साहित करना;
- ❖ कला, मानविकी, भाषा, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, और पेशेवर, तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों के क्षेत्रों में 21वीं सदी की क्षमता;
- ❖ यहां तक कि इंजीनियरिंग संस्थान, जैसे कि आईआईटी, कला और मानविकी के साथ अत्याधिक समग्र और बहु विषयक शिक्षा की ओर-अग्रसर।
- ❖ कला और मानविकी के छात्र अधिक विज्ञान सीखने का लक्ष्य रखेंगे
- ❖ सामान्य शिक्षा में अधिक व्यावसायिक विषयों और सॉफ्ट स्किल्स को शामिल करने का प्रयास
- ❖ सकारात्मक अधिगम निष्कर्षों के लिए मानविकी और कला का एसटीईएम के साथ एकीकरण।

III. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति : पाठ्यचर्या संबंधी संस्तुतियां**

- ❖ छात्रोपयोगिता के बेहतर अनुभव के लिए पाठ्यक्रम, शिक्षण-पद्धति, मूल्यांकन और छात्र सहयोग में सुधार;
- ❖ रटने की संस्कृति से दूर वास्तविक समझ विकसित करना और सीखना सीखना। -
- ❖ चरित्र, नैतिक और संवैधानिक मूल्य, बौद्धिक जिज्ञासा, वैज्ञानिक स्वभाव, रचनात्मकता, सेवा की भावना का विकास करना
- ❖ छात्रों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन और कार्ययोजना के लिए तैयार करना
- ❖ छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर करते हुए, अपने अनुशासन और इसके बाहर कौशल और मूल्यों के क्षेत्र की विशिष्ट पहचान कराना।

IV. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति : कौशल संबंधी संस्तुतियां**

- अनुशासनों की निर्बाधता में 21वीं सदी की योग्यताएं
- व्यक्तिगत उपलब्धि और ज्ञानोदय;
- रचनात्मक सार्वजनिक जुड़ाव
- समाज में उत्पादक योगदान;
- वैज्ञानिक स्वभाव और साक्ष्य आधारित चिंतन;
- रचनात्मकता और नवीनता
- आलोचनात्मक और उर्ध्व चिंतन क्षमता,
- संप्रेषण कौशल,
- समसामयिकी और स्थानीय समुदायों, राज्यों, देश और दुनिया के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का ज्ञान।
- गहन शिक्षण और सभी क्षेत्रों में पाठ्यक्रम में महारत हासिल करना
- सामाजिक एवं नैतिक जागरूकता
- कला और सौंदर्य का बोध
- मौखिक और लिखित संप्रेषण
- स्वास्थ्य एवं पोषण
- शारीरिक शिक्षा, फिटनेस, स्वास्थ्य, और खेलकूद
- सहयोग और सामूहिकता
- समस्या समाधान और तर्कशक्ति परीक्षण
- पर्यावरण जागरूकता, जल/संसाधन संरक्षण, स्वच्छता और साफ़-सफाई

V. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति : सुधार हेतु संस्तुतियां**

- छात्रों के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग, समग्र स्वास्थ्य, जैविक जीवन, पर्यावरण शिक्षा, वैश्विक नागरिकता शिक्षा (जीसीईडी), आदि जैसे समकालीन विषयों का परिचय
- शिक्षण और अधिगम की आकर्षक प्रक्रियाओं के माध्यम से कौशल और मूल्यों को आत्मसात करना
- आलोचनात्मक चिंतन और परिपूर्ण, पूछताछआधारित-, खोजआधारित-, चर्चा-आधारित और विश्लेषण-आधारितअधिगम के लिए जगह बनाने के लिए पाठ्यचर्या सामग्री को कम किया जाना है।
- सामग्री मुख्य संकल्पनाओं, विचारों, अनुप्रयोगों और समस्या समाधान पर विषय-वस्तु केंद्रित रहेगी
- प्रायोगिक अधिगम जिसमें व्यावहारिक अधिगम, कलाएकीकृत-एकीकृत और खेल- अधिगम शामिल है
- प्रत्येक विषय में किस्सागोई आधारित शिक्षण-पद्धति
- सभी अनुशासनों की संकल्पनाओं के अधिगम के आधार के रूप में कला और संस्कृति के विभिन्न आयाम और रूप
- शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया में भारतीय कला और संस्कृति के एकीकरण के माध्यम से भारतीय लोकाचार को आत्मसात करना

- पाठ्यचर्या और शिक्षण-पद्धति को भारतीय और स्थानीय संदर्भ और संस्कृति, परंपरा, विरासत, रीति-रिवाज, भाषा, दर्शन, भूगोल, प्राचीन और समकालीन ज्ञान, सामाजिक और वैज्ञानिक जरूरतों, सीखने के स्वदेशी और पारंपरिक तरीकों आदि के संदर्भ में दृढ़ता से निहित किया जाना चाहिए
- पाठ्यक्रम विकल्प में लचीलापन लाकर छात्रों को सशक्त बनाना
- अध्ययनगत अनुशासनों के रचनात्मक संयोजन को सक्षम करने के लिए कल्पनाशील और लचीली पाठ्यक्रम संरचना
- वर्तमान में प्रचलित कठोर सीमाओं को हटाकर और सतत अधिगम के लिए नई संभावनाएं पैदा करके एकाधिक प्रवेश और निकास बिंदु प्रदान करना
- भारतीय मानकों को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा बनाए गए व्यवसायों के अंतरराष्ट्रीय मानक वर्गीकरण के साथ क्रमबद्ध किया जायेगा
- 'पाठ्यचर्या', 'पाठ्येतर', या 'सह-पाठ्यचर्या', 'कला', 'मानविकी', और 'विज्ञान' के बीच, या 'व्यावसायिक' या 'शैक्षणिक' धाराओं के बीच कोई जटिल अलगाव नहीं है
- भारतीय शास्त्रीय भाषाओं के लिए बहुभाषावाद और लगाव को बढ़ावा देकर भारतीय ज्ञान प्रणाली, सांस्कृतिक परंपराओं और शास्त्रीय साहित्य के लिए अभिवृद्धि
- विभिन्न प्रासंगिक विषयों और वास्तविक जीवन के अनुभवों के साथ भाषाओं के सांस्कृतिक आयामों का रचाव - जैसे कि फिल्में, थिएटर, कहानी, कविता और संगीत
- प्राचीन भारत के ज्ञान और आधुनिक भारत में इसके योगदान के बारे में छात्रों को शिक्षित करने के लिए "भारत का ज्ञान"
- सभी छात्रों में बुनियादी नैतिक तर्क, पारंपरिक भारतीय मूल्य और मानवीय और संवैधानिक मूल्य विकसित किए जाने चाहिए
- सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, पर्यावरण शिक्षा और मूल्य-आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में क्रेडिट-आधारित पाठ्यक्रम और परियोजनाएं
- स्थानीय उद्योग, व्यवसायों, कलाकारों, शिल्पकारों आदि के साथ इंटर्नशिप के अवसर ताकि छात्र अपनी रोजगार क्षमता में सुधार के लिए अपने अधिगम के व्यावहारिक पक्ष से जुड़ सकें
- कौशल अंतराल विश्लेषण और स्थानीय अवसरों की पहचान के आधार पर व्यावसायिक शिक्षा के लिए लक्षित क्षेत्रों का चयन किया जाएगा
- स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन केंद्र; प्रौद्योगिकी विकास केंद्र; और व्यापक उद्योग-अकादमिक संबंध के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान देना
- तकनीकी शिक्षा के लिए वांछित निष्कर्षों हेतु पाठ्यचर्या योजना में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उद्योग और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता
- तकनीकी शिक्षा में युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अन्य विषयों के साथ गहराई से जुड़ने के अवसरों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।
- प्रत्येक कार्यक्रम के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए सतत रचनात्मक मूल्यांकन
- उच्चस्तरीय परीक्षाओं से हटकर अधिक सतत और व्यापक मूल्यांकन की ओर बढ़ना
- प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अधिगम लक्ष्यों के आधार पर छात्र की उपलब्धि का आकलन करना, प्रणाली को निष्पक्ष बनाना और निष्कर्षों को अधिक तुलनीय बनाना

- इन-क्लास, ऑनलाइन और ओडीएल मोड सहित गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए सभी विषयों में सभी कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और शिक्षण-पद्धति।
- शिक्षक को पाठ्यपुस्तक और पठन सामग्री चयन, असाइनमेंट और मूल्यांकन सहित अनुमोदित ढांचे के भीतर अपने स्वयं के पाठ्यचर्या और शैक्षणिक दृष्टिकोण को निर्मित करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए।
- नए शिक्षण, अनुसंधान और सेवा के संचालन के लिए संकाय को सशक्त बनाना, जिसे वे सर्वाधिक उपयुक्त देखते हैं
- कक्षा अंतरण को योग्यता-आधारित शिक्षा और अधिगम की ओर स्थानांतरित करना
- मूल्यांकन उपकरण प्रत्येक विषय के लिए निर्दिष्ट अधिगम निष्कर्षों, क्षमताओं और स्वभाव के साथ संरेखित किये जाने चाहिए